JOURNEY OF INHP IN BALAGHAT

Quarterly Progress Report
July - Sept. 2008

Community Development Centre
Bhatera Chouki, Balaghat M.P. 481001
Ph. 07632-248585, Mob.- 09425822228
E mail - cdcindia@rediffmail.com
wedsite- www.cdcmp.org

CARE

एकीकृत पोषण और स्वास्थ्य परियोजना के क्रियांवयन यात्रा जो वर्ष 2002 में संस्था ने प्रारंभ की थी सितंबर 2008 में समाप्त कर रही है। बेशक यह परियोजना का समापन है पर हम महसूस करते हैं कि एक स्वैच्छिक संस्था होने के नाते हमारी जवाबदेही बढ़ गयी है क्योंकि भविष्य में इसके परिणाम तो हम ही देख पायेंगे।
संस्था विशेष रूप से केयर को धन्यवाद ज्ञापित करती है क्योंकि बालाघाट ऐसा जिला है जो आवागमन के लिए किसी भी बेहतर सुविधा से जुडा नहीं है नक्सल समस्या यहाँ है बहुत सी दानदाता विकासीय संस्थाओं के लिए बालाघाट प्राथमिकता की श्रेणी में नहीं है। पर तमाम समस्याओं को दरकिनार करते हुए इस जिले का चयन और कार्य करना वास्तव में उल्लेखनीय है।
संस्था इस अवसर के लिए आप सभी को धन्यवाद देती है हम याद करना चाहेंगे डा.वंदना जोशी और श्रीमती प्रदन्या पैठनकर को जिनके साथ हमने कार्य प्रारंभ किया था और प्रतिभा जी को जिनके मार्गदर्शन में इस परियोजना का समापन करने का अवसर प्राप्त हुआ। विगत दो वर्ष श्री शशिकांत जी के साथ कार्य करने का मौका मेरे और सी.डी.सी. टीम के लिए ,अविस्मरणीय रहा। अंत में श्रीमती जौली जॉन की भी संस्था आभारी है जिनके साथ प्रबंधकीय कार्य करने में संस्था को मदद मिली।

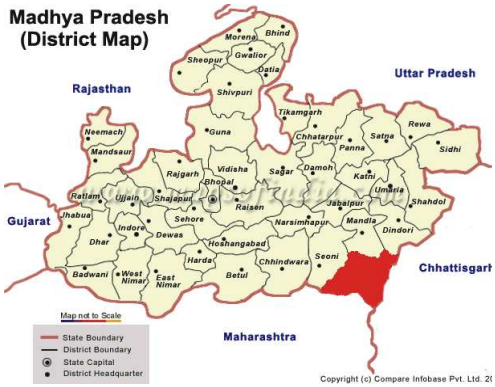

इस प्रतिवेदन के प्रस्तुतिकरण में कुछ बदलाव किया गया है जहाँ चित्रों के माध्यम से अपनी बातों को रखने का प्रयास किया गया है आशा है प्रतिवेदन में समाहित की गयी बातें ना सिर्फ तीन माह बल्कि आई.एन.एच.पी. तृतीय को परिलक्षित कर पायेंगी।

आशा है केयर के साथ संस्था का जुडाव किसी ना किसी रूप में बना रहेगा।

शुभकामनाओं सहित

अमीन चार्ल्स
निदेशक
सी.डी.सी.

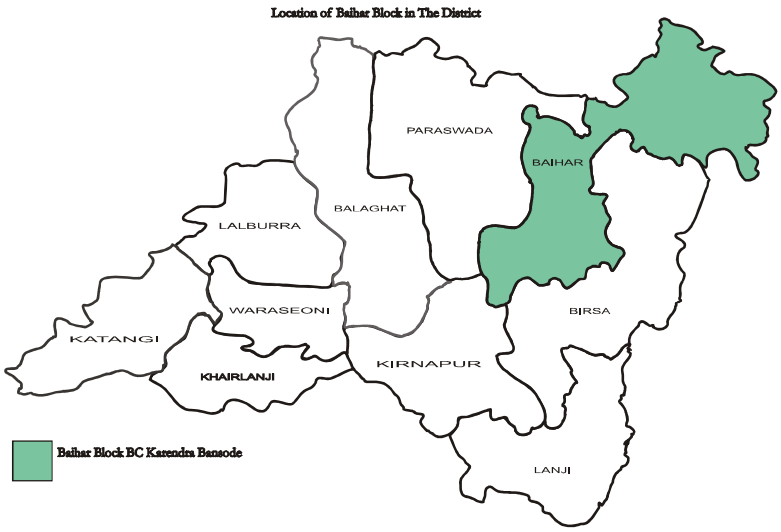

बालाघाट जिले का विकासखंड बैहर जहॉ सितंबर 2008 तक सतत कार्य किया गया।

विकासखंड समन्वयक : करेंद्र बंसोड

ब्लाक स्तरीय बैठक	मुद्दे	परिणाम
• विकासखंड स्तरीय बैठकों में विगत तीन माह में निम्नलिखित मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया जिसमें विशेष तौर पर सेक्टर स्तर पर विशेष प्रभाव देखने मिल रहे हैं । • संयुक्त बैठकों की तिथि निर्धारित कर बैठकों में स्वा. कार्यकर्ताओं की उपस्थिती • वेक्सीन सप्लाई को लेकर मांग के अनुसार वेक्सीन की सप्लाई की गई । • पॅहुच विहीन केन्द्र में टीकाकरण कार्य पूर्ण कराने के लिए केचअप राउण्ड में टीकाकरण कार्य किया जान सुनिश्चित किया गया । • जननी सुरक्षा जननी एक्सप्रेस के लिए संस्थागत प्रसव में बढोत्तरी। • डाटा की समीक्षा परियोजना अधिकारी व खण्ड स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा मांगे जाने लगी • कार्ययोजना बनाकर प्रोजेक्ट मुस्कान शिविर, स्वास्थ्य शिविर भ्रमण पत्रक के अनुसार महत्वपूर्ण गृहको की कार्ययोजना सेक्टर स्तर पर कार्य योजना बनाई गई। • सभी सेक्टरो में रोस्टर तैयार किया ।	• ब्लाक स्तरीय बैठक में पॅहुच विहीन केन्द्रो में विशेष तौर पर गढी कुकर्रा में टीकाकारण नही होना । • संयुक्त बैठको की तिथि सुनिश्चित कर संयुक्त बैठको का संचालन करना । • वेक्सीन सप्लाई एवं भ्रमण पत्रक के अनुसार भ्रमण । • प्रोजेक्ट मुस्कान एवं बाल संजीवनी अभियान की कार्य योजना बनाना । • समस्त सेक्टरों में रोस्टर तैयार कर रोस्टर के आधार पर पोषण स्वास्थ्य दिवस सुनिश्चित करना	• विकासखंड में नियमित रूप से दोनों विभागों में प्रत्येक माह संयुक्त बैठकों का संचालन किया जा रहा हैं जिसके परिणाम स्वरूप ब्लाक में छ सेक्टरों में संयुक्त बैठकों का संचालन नियमित हो रहा हैं सेक्टर स्तर पर संयुक्त बैठकों की तिथि निर्धारित हो रहा है। सेक्टर स्तर पर संयुक्त बैठकों की तिथि निर्धारित कर दी एवं रोस्टर तैयार कर ब्लाक में निर्धारित दिवस में पोषण स्वास्थ्य दिवस किया जा रहा हैं • पहुचविहिन केन्द्रो में केचअप राउण्ड में टीकाकरण कार्य किया जाने लगा। • समस्त स्वास्थ्य कार्यकर्ता व आगनबाडी कार्यकर्ता को भ्रमण कार्ययोजना के अनुसार संयुक्त भ्रमण की कार्ययोजना बनाई गई । • दोनो विभागों में समन्वयक स्थापित हुआ हैं एवं प्रोजेक्ट मुस्कान शिविरो, बाल संजीवनी अभियान में एक साथ कार्य योजना बनाई गई जिसके परिणाम स्वरूप 12वे बाल संजीवनी अभियान में 243 केन्द्रो में से 241 केन्द्रो में सफल टीकाकरण कार्य सम्पन्न किया गया । • जनपद की बैठक में समस्त सचिव एवं सरपंचो द्वारा केवलारी जत्ता मेढकी करवाही में पंचायतो ने पोषण एवं स्वा के विषय में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया । • मंगल कार्यक्रम में सहयोग एवं उपस्थिति बढने लगी हैं । • सचिव बैठक में सी.डी.पी.ओ. की उपस्थिति एवं पंचायतों को सुझाव दिया जा रहा हैं ।

विगत पॉच माह में विकासखंड स्तर पर सम्पन्न बैठक का विवरण

विषय	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर
खण्ड स्तरीय बैठक	**Yes**	**Yes**	**Yes**	**No**	**Yes**
निर्धारित तिथि पर बैठक का आयोजन	**Yes**	**Yes**	**Yes**	**No**	**Yes**
बैठक में स्वास्थ विभाग की उपस्थिति	**Yes**	**Yes**	**Yes**	**No**	**Yes**
सेक्टर समीक्षा	**Yes**	**Yes**	**Yes**	**No**	**Yes**
डाटा समीक्षा	**Yes**	**Yes**	**Yes**	**Yes**	**Yes**
सचिव मिटिंग	**Yes**	**Yes**	**Yes**	**Yes**	**Yes**

विकासखंड में अक्सर टीकाकरण सुविधा से छूटे जाने वाले केन्द्रों की सूची जहॉ केचअप राउन्ड के माध्यम से टीकाकरण किया जाता है।

सेक्टर	केन्द्र का नाम
भण्डेरी	मुरूक, भंडेरी कन्दई, 2 सरईटोला
गढी	संगारी, परसाटोला, समटिया, भालापुरी, बलगॉव, हीरापुर, नवलपुर, माना, लांजी नरघूटोला, डोगरीया, माना बिलाईखार, निवास झोलर, टोपला, कदला, आरमी, मोहरई, मुरेण्डा, अमरझेला सुखडी, छुई टोला, धनियाजोर, पोण्डी, अलना प्रथम अलना द्वितिय परसाटोला आमगहन पीपरटोला, परसामउ, हर्रा टोला, वाजबोन्दी सरईटोला चैतूटोला

- ब्लाक में 10 सेक्टरों में 243 केन्द्रो में आहार किट तैयार की गई एवं ग्रहभेंट के प्रयोग किया जा रहा हैं ।
- सेक्टरों में विधि प्रदर्शन कर स्थानीय आहार एवं फलो का प्रयोग सुनिश्चित किया गया।
- नई आगनबाडी कार्यकर्ता के द्वारा महत्वपूर्ण ग्रहभेंट रिकार्ड संचार सामग्री उन सभी गतिविधियों को भ्रमण के दौरान देखा गया।

विकासखंड में कार्यरत अन्य स्वयं सेवी संस्थाओं से नेटवर्किंग प्रयास

बैहर नारी उत्थान सेवा महिला मंडल	वैशाली संस्था
• बैहर में अन्य एन.जी.ओ. के साथ कार्य करने से एवं पोषण एवं स्वास्थ्य के विषय में विशेष तौर पर नारी उत्थान, (एस.एच.जी) समूह की बैठक में स्वास्थ्य व्यवहारो पर चर्चा की जा रही हैं ।	• इस संस्था का कार्य क्षेत्र समस्त पंचायतो में स्वच्छता अभियान के दौरान पंचायतो के साथ व्यवहारो में परिवर्तन एस.एचजी. स्वास्थ्य समिति के लोगो के साथ चर्चा एवं पंचायतो से आगे भी चर्चा की जायेगी । • स्व–सहायता समूह गढी, भण्डेरी, मे उनकी बैठको के माध्यम से अपनी बैठको में नियमित चर्चा करते रहने एवं आगे भी पोषण स्वास्थ्य पर चर्चा होती रहेंगी । • वैशाली संस्था नारी उत्थान कम्यूनिटी डेवलपमेन्ट सेन्टर बालाघाट के साथ एन.जी.ओ. के मुख्य के साथ स्व सहायता समुह के कार्यकर्ताओं के साथ पोषण एवं स्वास्थ्य के विषय में जागरूकता के लिए बैठको में जाकर पोषण के संबंध जानकारी दी गई जिससे अन्य संस्थाओं ने दिवाल लेखन के समूह के साथ चर्चा करना शुरू किया गया । • अन्य एन.जी.ओ. ने सभी कार्यकर्ताओं को पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के लिए संस्थागत प्रसव व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से जागरूक कराने का प्रयास किया गया ।

गतिविधी	जुलाई	अगस्त	सितम्बर
खण्ड स्तरीय बैठक	Yes	Nil	Yes
निर्धारित तिथि	2-07-08	Nil	10-09-08
स्वा विभाग की उपस्थिति	Yes	No	Yes
आकडो की समीक्षा	Yes	No	Yes
सेक्टर समीक्षा	Yes	No	Yes
केचपराउण्ड कहॉ कहॉ चल रहे है।	Yes	No	Yes
वेक्सीन सप्लाई	Yes	Yes	Yes

ब्लाक स्तरीय गतिविधियॉं	
प्रोजेक्ट मुस्कान, विधि प्रदर्शन	
नई कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण	उद्देश्य • अति गंभीर कुपोषित बच्चो, गर्भवती महिला धात्री किशोरी, बालिका की स्वास्थ्य जॉच । • स्थानीय आहारो को प्रोत्साहन करना एवं आहार किट की तैयारी । • नई कार्यकर्ताओं को क्षमता वृद्धि करना ।
अपेक्षित परिणाम	• कुपोषण में 10 प्रति. कमी लाना व मातृ–मृत्यु, शिशु मृत्यु को कम करना । • ब्लाक स्तर पर तृतीय, चतुर्थ ग्रेड के बच्चो की जॉच कर निःशुल्क दवा वितरण किया गया । • समुदाय के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढी जैसे कि उपरी आहार शुरूआत, मात्रा, तेल का प्रयोग एवं समय पर टीकाकरण करना सुनिश्चित किया

विषय	बैहर	ऑमगॉव	बिठली प्रथम	बिठली द्वितीय	कुकर्रा प्रथम	कुकर्रा द्वितिय	भण्डेरी प्रथम	भण्डेरी द्वितिय	गढी प्रथम	गढी
केन्द्र	25	25	24	18	25	25	23	23	28	27
पोषण स्वास्थ्य दिवस का आयोजन	25	25	24	13	19	12	23	20	17	15
मातृ सहयोगनी का गठन	25	25	24	18	19	12	23	23	17	15
पंचायत की भागीदारी	03	05	05	–	05	03	06	05	06	12
बैठक में सत्र का आयोजन	हॉ	हॉ	हॉ	हॉ	हॉ	हॉ	हॉ	हॉ	हॉ	हॉ
संयुक्त बैठकों का आयोजन	प्रथम शनिवार	6 तारीख	4 तारीख	4 तारीख	9 तारीख	हॉ	7 तारीख	हॉ	9 तारीख	हॉ
केंद्र में सूचना संचार साम्रगी का प्रदर्शन	23	20	19	14	18	15	18	19	22	10
प्रपत्र का प्रयोग	हॉ	हॉ	हॉ	हॉ	हॉ	हॉ	हॉ	हॉ	हॉ	49
रिकार्ड	25	25	24	18	25	25	20	23	22	25
केंद्रों की ग्रेडिंग										
ए	05	08	08	03	04	02	04	04	07	02
बी	16	12	16	09	13	14	16	06	14	19
सी	04	05	–	06	08	09	03	13	07	06

सेक्टर बैठकें

- सेक्टर बैठकों का आयोजन में शिक्षा सत्रों के माध्यम से गढी बिठली बैहर आमगॉव में दोनों कार्यकर्त्ता के द्वारा सत्र एवं रोलप्ले किया जाता हैं जिससे नई ऑगनबाडी कार्यकर्ताओं में क्षमता वृद्धि देखी गई।
- भ्रमण अनुभव के आधार पर कुछ सेक्टरो में यह देखा गया कि भ्रमण के दौरान सेक्टर में बनी कार्य योजना के तहत बिठली बैहर, आमगॉव, दलदला, पोण्डी, सिववाघ, केवलारी, में संयुक्त भ्रमण देखा गया ।
- कुछ सेक्टरो में पोषण स्वास्थ्य दिवस के दिन स्वास्थ्य कार्यकर्ता के द्वारा बैहर आमगॉव में रोलप्ले करके स्तनपान पर बताया जा रहा हैं।
- संयुक्त बैठकों के द्वारा रिकार्ड मिलान करने पर रिर्पोटिंग में गुणवत्ता के आधार पर बिठली आमगॉव, बैहर, भण्डेरी, जानकारी देखी गई ।
- महिला बाल विकास पर्यवेक्षकों में मासिक प्रतिवेदन में पोषण स्वास्थ्य दिवस गतिविधियों का आयोजन संचार साम्रगी, रिकार्ड, कुपोषण की समीक्षा आकडों की समीक्षा जानकारी एवं ब्लाक स्तर की बैठकों के लिये मुद्दे निकालने का क्षमता विकास हुआ हैं । जैसे बैहर आमगॉव, बिठली,
- ग्रेडिंग करने से प्रत्येक केन्द्र में ग्रेडिंग लिखाया गया हैं जिससे केन्द्रो मे कार्यकर्ता का केन्द्र स्तर के कमियों का आकलन एवं सेक्टर की कमी के आधार पर पर्यवेक्षक का भ्रमण तेज किया जा रहा है। कुकर्रा, गढी. भण्डेरी आदि
- नवाचारों में गुणवत्ता लाने हेतु आमगॉव, बैहर, गढी बिठली, सेक्टरों में जीवन की आशा का प्रयोग अनिवार्य किया गया जिससे द्वितीय मंगलवार को ऑगनबाडी केन्द्रों जैसे सिगबांध सिनोरा दलदला में भ्रमण के दौरान देखा गया ।
- सेक्टर स्तर पर स्वास्थ्य कार्यकर्ता की समीक्षा के दौरान पहुच विहिन केन्द्र पर विशेष टीकाकरण की कार्ययोजना बनाई जा रही हैं । एवं प्रत्येक माह केचअप राउण्ड में टीकाकरण किया जा रहा हैं । जैसे गढी, कुकर्रा
- सेक्टर बैठकों में कार्यकर्ताओं के साथ आशा कार्यकर्ता को जोडा जा रहा हैं जिससे संस्थागत प्रसव, टीकाकरण छूटे टोलो में सहयोग दिया जा रहा हैं ।

गतिविधियॉ	बैहर	आमगॉव	गढी	कुकर्रा	बिठली	भण्डेरी
स्तनपान	01	01	01	–	01	–
विधि प्रदर्शन	01	01	01	01	01	01
महिला जागृति शिविर	02	02	–	02	02	02
प्रोजेक्ट मुस्कान	01	01	01	01	01	01
वार्ड सभा	–	02	02	02	–	05
पंचायत बैठक	01	02	01	02	02	–
ग्रामसभा	01	01	–	–	–	03

विधि प्रदर्शन

- स्थानीय आहार को बढावा देना एवं आगनबाडी केन्द्र में आहार किट किचन गार्डन एवं गर्भावस्था नवजात की देखभाल पर तकनीकि सत्रो की आगनबाडी कार्यकर्ता में क्षमता विकास ।
- सभी सेक्टरो में विधि प्रदर्शन के माध्यम से सभी सेक्टरों में ऑगनबाडी केन्द्र भ्रमण के दौरान किट का प्रयोग कर आगनबाडी कार्यकर्ताओं ग्रहभेट के माध्यम से बैहर आमगॉव बिठली गढी, के आगनबाडी केन्द्रो में किया जा रहा हैं ।
- कुछ ऑगनबाडी केन्द्रो में किचन गार्डन लगाया गया हैं जिससे स्थानीय सब्जी एवं स्थानीय फलों का उपयोग हो सभी सेक्टरों में 03–03 केन्द्रों में किचन गार्डन तैयार किया गया छिन्दीटोला, करवाही, मेढकी, दलदला बम्हनी, परसवाड़ा आदि।

- विधि प्रदर्शन के माध्यम से 243 आगनबाडी केन्द्रों मे आहार किट तैयार की गई एवं ग्रहभेट के दौरान कुपोषित बच्चों के घरो में सत्तू का प्रयोग किया गया हैं ।
- केन्द्र भ्रमण के दौरान कुछ केन्द्रों में यह देखा गया कि बच्चों को मात्रा एवं गुणवत्ता के आधार पर ऊपरी आहार दिया गया भ्रमण के दौरान सोनपुरी, भण्डेरी, सरेखा, मोहबट्टा में देखा गया ।

ब्लाक एवं सभी सेक्टरो में विधि प्रदर्शन किया गया जैसे सेक्टर बिठली, कुकर्रा, गढ़ी बैहर, आमगॉव और भण्डेरी, जिसमें सभी कार्यकर्ताओं के द्वारा आहार किट प्रसव किट तैयार की गई जिसके अनुसार कुपोषित बच्चों के लिए ग्रहभेंट सुनिश्चित की गई । आहार प्रदर्शन से बच्चों को दी जाने वाली खाने की मात्रा एवं गुणवत्ता को लेकर एवं गॉव स्तर पर सभी प्रकार की वस्तुओं का प्रयोग कर हितग्राहियों को समझाने के लिए नियमित आगनबाडी कार्यकर्ताओं की गृहभेट सुनिश्चित की गयी । विधि प्रदर्शन करने से कार्यकर्ताओं में महत्वपूर्ण ग्रहभेट किया जाने लगा हैं जिससे गॉव स्तर पर हितग्राहियों में जागरूकता एवं बच्चो के भोजन की मात्रा एवं गुणवत्ता पर ध्यान दिया जा रहा हैं। विशेष रूप से विधि प्रदर्शन के लिए द्वितीय मंगल कार्यक्रम के दौरान समझाईश एवं मात्रा गुणवत्ता की जानकारी दी जा रही हैं।

कार्यक्रम	उद्देश्य	गतिविधियॉ
स्तनपान सप्ताह	तुरन्त स्तनपान को बढावा देना एवं कुपोषण से जोडना ।	• कुछ केन्द्रों में भ्रमण एवं पोषण स्वास्थ्य दिवस के दौरान यह देखा गया कि स्वास्थ्य कार्यकर्ता /आगनबाडी कार्यकर्ता के द्वारा रोलप्ले के माध्यम से स्तनपान कराने का तरीका बताया गया । जैसे पिपरिया, मोहबट्टा, में भ्रमण के दौरान देखा गया । • स्तनपान को लेकर तकनीकि स्तर पर सेक्टर स्तर पर कार्यकर्ताओं को रोलप्ले के माध्यम से दिखाया गया जिसका परिणाम सभी कार्यकर्ताओं के द्वारा केन्द्र में बताया गया हैं । • सभी सेक्टरो में दलवार स्तनपान की कार्ययोजना बनाकर स्तनपान सप्ताह मनाया जा रहा हैं ।
महिला जागृति शिविर		• महिला जागृति शिविरों के माध्यम से ऑगनबाडी केन्द्रों में हितग्राहियों के पास प्रसव योजना बनाई जा रही हैं जैसे करेली, कुकर्रा, छिन्दीटोला में हितग्राहियों के पास देखा गया । • सभी सेक्टरो में प्रत्येक माह महिला जाग्रति शिविरों के आयोजन कर ग्राम में हितग्राही को गर्भावस्था के दौरान देखभाल को सुनिश्चित किया गया । (बिठली, आमगॉव, बैहर, भण्डेरी,) में देखा गया । • महिला जागृति शिविर के दौरान संस्थागत प्रसव एव भ्रमण के दौरान यह पाया गया कि साफ नाल तुरन्त स्तनपान संस्थागत प्रसव हुये हैं ।
प्रोजेक्ट मुस्कान शिविर		प्रोजेक्ट मुस्कान शिविर के माध्यम से तृतीय चतुर्थ ग्रेड के बच्चो के पोषण आहार को नियमित रखकर उनके आहार अवलोकन पर सत्र, व्यवहारों पर प्रचार–प्रसार कर योजनाओं की जानकारी देकर एवं विधि प्रदर्शन के माध्यम से सुनिश्चित कर मंगल दिवस के आहार पर हितग्राहियों की समझ बनाने के लिए प्रेरित किया गया ।

पंचायत बैठकें	जनपद पंचायत में सरपंच सचिव की बैठकें
• ग्रामसभा, वार्डसभा के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर पर पंचो की उपस्थिति हो रही हैं • टीकाकरण नहीं होने पर जनपद पंचायत की बैठक परियोजना अधिकारी को बताया जा रहा हैं • महिला जागृति शिविर पोषण स्वास्थ्य दिवस में पंचो की उपस्थिति हो रही हैं भण्डेरी आमगॉव, बिढली कुकर्रा, आदि सेक्टरो में देखा गया हैं । • वार्ड सभाओं के माध्यम से टोलो मंजरो तक पहुच बनाने में सफल हुये हैं • आगनबाडी केन्द्रो के संचालन एवं केन्द्रो में बच्चो की उपस्थिति कुपोषित बच्चों के लिये सत्तू वितरण किया जा रहा हैं । • ग्राम पंचायतो में पोषण एवं स्वास्थ विषय पर ग्रामसभाओं का आयोजन किया जाने लगा है। • प्रत्येक विशेष ग्रामसभाओं में कुछ पंचायतो में पोषण एव स्वास्थ्य के मुद्दों पर चर्चा एवं महत्वपूर्ण निर्णय लेकर ऑगनबाडी को सहयोग दिया जा रहा हैं जैसे पिपरिया, मोहबट्टा ।	• जनपद की बैठक में जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जे.पी. राजोरिया एवं परियोजना अधिकारी सुश्री बी मेरावी के साथ माह में 1 बार प्रत्येक माह की 18 तारीख निश्चित की गई जिसमें ब्लाक के 56 पंचायत के सचिव एवं कुछ सरपंचो से ब्लाक की स्थितियों की समीक्षा की जाती हैं जिसमें मुख्य मुद्दो एवं नियोजित कार्य योजना बनाई गई जिसके मुख्य बिन्दू पर चर्चा किया गया। • विशेष ग्राम सभाओं में मुख्य कार्यपालन अधिकारी के द्वारा समस्त सचिवों को पोषण एवं स्वास्थ्य के विषय पर एजेण्डा निर्धारित किया गया । • जन्म मृत्यु की सूचना एवं रिपोर्ट आगनबाडी कार्यकर्ता हो माह की 30 तारीख को पंचायत को देने का निर्णय लिया गया परियोजना अधिकारी के द्वारा समस्त पर्यवेक्षकों को निर्देश दिये गये जिसका परिणाम कार्यकर्ताओं के द्वारा पंचायत को जानकारी दी जा रही है। • पॅहुच विहीन केन्द्र में ऑगनबाडी केन्द्रों का संचालन नहीं हो रहा हैं जिसे नोडल अधिकारियो को भ्रमण के अनुसार परियोजना अधिकारी को अनुभव से अवगत कराया गया। • ऑगनबाडी केन्द्रो के मंगल कार्यक्रम में सहयोग देने के लिए सभी सचिव को मुख्य कार्यपालन अधिकारी के द्वारा आगनबाडी केन्द्रो में सहयोग की दृष्टि से सहयोग कर भ्रमण करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करने कहा गया । • मंगल कार्यक्रम में सहयोग एवं सचिव मिटिंग में चर्चा कर कार्ययोजना बनाई ।

विकासखंड समन्वयक के अनुभव

- ऑगनबाडी केन्द्रों के भ्रमण के दौरान यह देखा गया कि केन्द्रों में संचार सामग्री लगी थी मंगल कार्यक्रम नियमित गुणवत्ता पूर्वक देखा गया जो कि पिछले तीन माह के 21 आगनबाडी केन्द्रों में से 15 केन्द्रो में संचार सामग्री देखी गई।
- इन केन्द्रों के भ्रमण के दौरान व्यवहारों में परिवर्तन देखा गया, हितग्राहियों में यह पाया गया : तुरन्त स्तनपान, साफ नाल, नाल पे कुछ नही लगाया गया आदि ।
- कुल 21 केन्द्रों में पोषण स्वास्थ्य दिवस एवं मंगल कार्यक्रम मे पंचो की उपस्थिति एवं संयुक्त भ्रमण देखा गया सरेखा मोहबट्टा, दलदला, बिठली,।
- ऑगनबाडी केन्द्रों के भ्रमण के दौरान कुछ केन्द्र में संचार सामग्री एवं केन्द्रों में रिकार्ड अघतन अच्छा नहीं था। (मरारीटोला, जगला, पाथरी,)
- रिकार्डों की स्थितियॉ 8 केन्द्रो में अच्छा दिखायी दिया एवं फील्ड अनुभव के आधार पर ऑगनबाडी केन्द्रों में सुपरवाईजर के भ्रमण हुये हैं जिससे केन्द्रों की स्थितियों में सुधार हुआ । जिसका अनुभव फिल्ड के आधार पर सेक्टर मिटिंग में कार्यकर्ताओं को सुझाव दिया जा रहा हैं।

- भ्रमण अनुभव के आधार पर कुछ ऑगनबाडी केन्द्र महिला मंडल, मातृ सहयोगनी समिति पंचायतों को सक्रिय एवं ऑगनबाडी केन्द्रो में सहयोग करते हैं एवं ऑगनबाडी केन्द्रो में सहयोग प्रदान कर रहे हैं । जैसे मोहबट्टा सरेखा, दलदला, हुडकीटोला ।

<u>महिला बाल विकास विभाग समन्वय</u>

सुश्री मेरावी परियोजना अधिकारी बैहर के साथ आगनबाडी केन्द्र भ्रमण /सेक्टर मिटिंग के दौरान कमी एवं सुझाव को देखते हुये निम्न बिन्दुओं पर परियोजना अधिकारी के द्वारा ब्लाक में सुधार किये गये :–

- समस्त कार्यकर्ताओं की बैठक त्रिमासिक बैठकों का आयोजन सुनिश्चित किया गया ।
- समस्त सुपरवाईजर को प्रत्येक माह सी–ग्रेड के ऑगनबाडी केन्द्र में भ्रमण कर सेक्टर मिटिंग में उनके सुझाव परियोजना अधिकारी प्रतिवेदन प्रस्तुत करना ।
- ऑगनबाडी केन्द्र भ्रमण या सेक्टर मिटिंग में अनुपस्थित कार्यकर्ता को कारण बताओ नोटिस के माध्यम से सूचना दिया गया ।
- परियोजना अधिकारी के द्वारा बैहर परियोजना में वार्षिक कार्यक्रम रूपरेखा बनाकर प्रत्येक सेक्टरो में महिला जाग्रति शिविर, विधि प्रदर्शन, स्तनपान सप्ताह, का आयोजन किया जाने लगा हैं ।
- परियोजना अधिकारी द्वारा भ्रमण अनुभव एवं स्वयं के द्वारा 4–5 केन्द्रों का भ्रमण सुनिश्चित कर सुपरवाईजर को सुझाव दिया जा रहा हैं ।
- प्रत्येक माह ब्लाक और सेक्टर स्तर पर नवाचार गतिविधियॉ कर रही हैं एवं समय समय पर सहयोग दे रही हैं।
- टीकाकरण से छुटे केन्द्रो में टीकाकरण कार्य कराने के निर्देश सेक्टर पर्यवेक्षक को दिये गये एवं समीक्षा बैठक में पुनरावलोकन किया गया ।
- पहुच विहिन केन्द्रों के केचअप राउण्ड में टीकाकरण कार्य सुनिश्चित कर एक टीम तैयार कर गढी प्रथम द्वितीय कुकर्रा, भण्डेरी में यह कार्य सुनिश्चित कराया गया ।
- ए.एन.सी. और पी.एन.सी. जॉच के लिए सेक्टर स्तर पर ब्लाक मेडिकल आफिसर द्वारा जॉच शिविरों का आयोजन किया गया ।

उत्तरप्रदेश की आई.एन.एच.पी. टीम का बालाघाट अध्ययन भ्रमण

दिनांक 03.09.08 को ग्राम भण्डेरी में उत्तर प्रदेश एन.जी.ओ. संचालक व केयर कार्यक्रम अधिकारी का भ्रमण हुआ जिसमें भ्रमण के दौरान उनकी प्रतिक्रिया इस प्रकार रही :

- ऑगनबाडी केन्द्र सरेखा मोहबट्टा भ्रमण करने के बाद समूह ने पी.आर.आई प्रतिनिधियों के साथ और साज सज्जा सरपंच पंचो का सहयोग एवं मातृ सहयोगनी समिति के सदस्य के लिये सभी तथ्य रहे सहयोग बहुत अच्दा रहा है।
- ऑगनबाडी कार्यकर्ताओं की बैठक में एन.जी.ओ. टीम के साथ कार्यकर्ताओं की क्षमता विकास एवं आहार किट, प्रसव किट, कार्यकर्ताओं की पहचान करने के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण ग्रहभेट करना किचन गार्डन की तैयारी बहुत अच्छी लगी उत्तरप्रदेश टीम ने समुदाय में हुए व्यवहार परिवर्तन के अवलोकन करने हितग्राहियो के घरो में ग्रहभेट किया गया ।
- चर्चा के दौरान रिपोटिंग, प्रपत्र भ्रमण, गतिविधियों को परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक द्वारा विस्तार पूर्वक बताया गया ।

जिला स्तर पर सहयोगी वातावरण

ग्रेडिंग : एकीकृत पोषण एवं स्वास्थ्य परियोजना के दौरान ब्लाक स्तर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी के द्वारा ब्लाक में ग्रेडिंग के 9 बिन्दूओं पर ग्रहण रूप से विस्तृत कर सेक्टर स्तर पर सुपरवाईजर को ग्रेडिंग कराने के लिए जिला परियोजना अधिकारी के द्वारा प्रदान किया गया जिसके फलस्वरूप ब्लाक के ग्रेडिंग कार्य किया गया ।

विशेष ग्रामसभा : समस्त जनपद पंचायतो में विशेष ग्रामसभाओं के आयोजन में पोषण एवं स्वास्थ्य मुद्दो को शामिल कराने के लिये जिला पंचायत, मुख्यकार्यपालन अधिकारी के द्वारा पत्र जारी किया गया जिसके समस्त जनपद पंचायतो में केयर के माध्यम से विषय को शामिल कर ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया ।

संयुक्त बैठक : जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कार्यक्रम अधिकारी के माध्यम से समस्त ब्लाक में संयुक्त बैठक कर ब्लाक के चर्चा के बिन्दु तैयार कर जिले में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये साथ ही संयुक्त बैठको की तिथि कर बैठक नियमित कराने के लिए मेडिकल आफिसर/परियोजना अधिकारी को ब्लाक स्तर पर पत्र जारी किये जिसमें माध्यम से संयुक्त बैठके एवं सेक्शन बैठक हो रहे है।

ब्लाक स्तरीय बैठक : ब्लाक स्तरीय प्रशिक्षण के लिये जिला परियोजना अधिकारी के द्वारा पत्र जारी कर सुपरवाईजर के साथ प्रशिक्षण का आयेाजन किया गया ।

परिणाम आधारित कार्ययोजना

- ग्रेडिंग के आधार पर कमजोर केन्द्रो का चिन्हित कर सुधार किया गया ।
- कमजोर केन्द्र व सेक्टर बैठको में महिला बाल विकास/स्वास्थ्य विभाग सुपरवाईजर के साथ भ्रमण किया गया ।
- कमजोर सेक्टर पर विधि प्रदर्शन महिला जागृति शिविर के माध्यम से आगनबाडी कार्यकर्ता व मातृ सहयोगनी समिति व महिला मण्डल की क्षमता विकास किया गया ।
- ब्लाक स्तर पर कार्यकर्ता की क्षमता विकास हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण ।
- केन्द्र भ्रमण अनुभव को ब्लाक पर परियोजना अधिकारी सेन्टर स्तर पर पर्यवेक्षक से कमियॉ निकाली गई कमियों को दूर करने के लिये कार्य योजना बनाई गई
- सेक्टर स्तर पर नियमित संयुक्त बैठको में वार्षिक कलेण्डर के माध्यम से सत्रो का आयोजन एवं मांग पत्र का उपयेाग सुनिश्चित करना ।
- रोस्टर प्लान के आधार पर पोषण स्वास्थ्य दिवस संचालन ।
- ग्राम सभा /वार्डसभा पंचायत बैठको के माध्यम से पंचायतो की सक्रिय किया गया ।
- महिला बाल विकास /हेल्थ दोनो विभागो के मध्य आपसी समन्वय स्थापित किया गया ।

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के द्वारा ब्लाक स्तर पर ब्लाक को बहुत सारे लाभ मिले हैं जिसमें विशेष तौर पर टीकाकरण वेक्सीन सप्लाई संस्थागत प्रसव केचअप राउण्ड में टीकाकरण कार्य में मदद् मिली । विभिन्न कार्यक्रम के दौरान पॅहुच विहीन केन्द्रो में टीकाकरण कार्य कराने के लिये केचअप राउण्ड में टीकाकरण कार्य कराने स्वा. सेवाऍ उपलब्ध कराई गई जिससे बिठली , कुकर्रा, प्रथम,द्वितीय, गढ़ी में प्रथम द्वितिय में 100 प्रतिशत टीकाकरण कार्य सम्पन्न हो सका, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन से दौरान संस्थागत प्रसव में बढोत्तरी के लिये जननी एक्सप्रेस वाहन की व्यवस्था के अनुसार विशेष तौर पर ब्लाक में संस्थागत प्रसव में बढोत्तरी हुई हैं । वेक्सीन सप्लाई को लेकर जिला से ब्लाक तक वेक्सीन की सप्लाई में सुधार हुआ है।

विभागीय सहयोग

महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ हमेशा से सहयोग मिला मेडिकल आफिसर के द्वारा संयुक्त बैठको में तिथि निर्धारित कर सेक्टर की समस्या का समाधान सेक्टर स्तर पर ही समाधान कराने का निर्णय मेडिकल आफिसर के द्वारा किया गया जिससे सभी प्रकार के कार्यो में सहयोग मिला ।

महिला बाल विकास के साथ महिला जागृति शिविर, बाल संजीवनी अभियान ब्लाक स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठको के आयेाजन एवं भ्रमण अनुभव सेक्टर मिटिंग के अनुभव के साथ ब्लाक की स्थितियों का आकलन कर सहयोग किया गया ।

खण्ड दण्डाधिकारी महोदय, के साथ हमेश संयुक्त बैठक की तारीख निश्चित कर दोनो को सहयोग कर समीक्षा करके सभी कार्यकर्ताओं को संचेत कर टीकाकरण कार्य, केन्द्रो के संचालन, एवं सभी स्वास्थ्य सेवाऐं केा सरल बनाने में सहयोग दिया गया ।

केयर का सहयोग . खण्ड स्तर पर

ब्लाक बैहर में खण्ड स्तरीय संयुक्त बैठक के लिये सहयोग सराहनीय रहा हैं चूॅकि ब्लाक में संयुक्त बैठक व ऑगनबाडी कार्यकर्ता/हेल्थ दोनों की बैठक प्रत्येक माह नहीं हो रही थी इसके लिए जिला स्तरीय बैठक से कार्य योजना का फॉलोअप करने पत्र जारी करने का निर्णय लिया गया जिसके परिणाम स्वरूप मेडिकल आफिसर के द्वारा बैठक सुनिश्चित तारीख तय किया गया प्रत्येक माह बैठक का आयोजन किया गया ।

सेक्टर स्तरीय बैठक : सेक्टर मिटिंग कराने एवं सेक्टर स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में रिपोटिंग चर्चा, सत्रो के आयोजन किस तरह संचालन करना एवं सुपरवाईजर को रिपोटिंग कार्य को सम्पादन कराने के लिये सहयोग मिला । सेक्टर मिटिंग में से ब्लाक के लिये किस तरह मुद्दे निकालना सिखाया गया

विशेष तौर सेक्टर को किस तरह मजबूत कराने के लिये ग्रडिंग विधि प्रदर्शन महिला जाग्रति शिविर के आयोजन से सहयोग मिला ।

दस्तावेजीकरण : रिपोटिंग कार्य में डी.एम.पी.आर, पोषण स्वास्थ्य दिवस, ब्लाक स्तरीय रिपोटिंग कार्य में बहुत अधिक सीखने मिला जिससे हमारे कार्य में विकास हुआ एवं प्रशासन को मजबूत करने में मद्द मिली ।

चुनौतियॉ :

- व्यक्तिगत रूप से प्रशासन के साथ समन्वय बनाने के लिए चुनौतियॉ थी ।
- पॅहुच विहिन क्षेत्रो में भ्रमण करना अपने आप में एक चुनौती है।
- परियोजना अधिकारी/मेडिकल आफिसर के साथ समन्वय स्थापित करने में ।
- स्वास्थ्य विभाग की सेवाओं को टोलो मंजरो तक पहुचना मुश्किल था।
- पंचायतो में पोषण एवं स्वास्थ्य के मुद्दे को स्थायी रूप में समाहित कराना ।
- बैगा जनजाति के व्यवहारो में परिवर्तन के लिये किये जाने वाले प्रयास काफी कम थे।

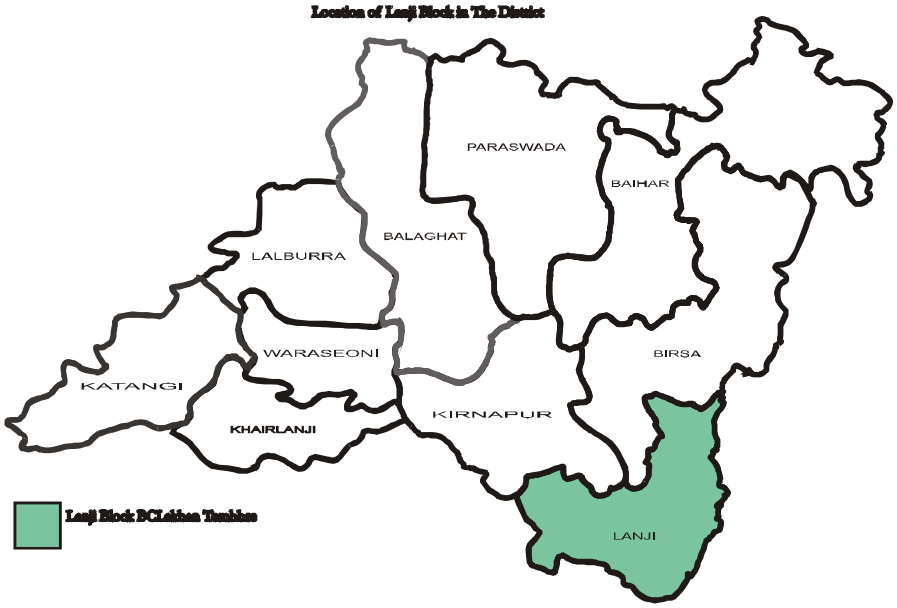

बालाघाट जिले का विकासखंड लांजी जहाँ सितंबर 2008 तक सतत कार्य किया गया।

विकासखंड समन्वयक : लखन टेंभरे

Phase Out Blocks

Photographs Of Closer Meetings

BLAC

ICDS Monthly Meeting

DLAC

विकासखंड लांजी

खण्ड स्तरीय आकलन

क्र.	गतिविधियॉ	जुलाई	अगस्त	सितम्बर
1.	खण्ड स्तरीय बैठक	Yes	Yes	Yes
2.	बैठक की निधारित तिथि	Day	Yes	Yes
3	स्वास्थ्य विभाग की उपस्थिति	Yes	Yes	Yes
4	आंकडो की समीक्षा	Yes	Yes	Yes
5	कैचप राउण्ड	Yes	No	No
6	वैक्सीन सप्लाई रिवाईस ए.एम.एम. द्वारा	Yes	Yes	Yes
7	समीक्षाऍ	Yes	Yes	Yes
8	सेक्टर बैठकों की समीक्षा	Yes	Yes	Yes
9	सचिव बैठकों का आयोजन	Yes	Yes	No
10	ग्रेडिंग समीक्षा	Yes	No	Yes
11	दल नेता	Yes	No	No

विकासखंड के स्वास्थ्य एंव पोषण के मुद्दे और की गयी कार्यवाहियॉ

- महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग के द्वारा खण्ड स्तरीय बैठक का नियमित आयोजन हो रहा हैं जिसमें टीकाकरण, संयुक्त ग्रहभेंट, व्यवहारों की समीक्षा की जाती हैं एवं आई.सी.डी.एस./हेल्थ द्वारा कार्ययोजना तैयार की जाती हैं केचप राउण्ड को कार्ययोजना में शामिल किया जाता है ।
- महिला बाल विकास द्वारा जनपद पंचायत स्तर पर हस्तक्षेप से ग्राम सभाओ में पोषण एवं स्वास्थ्य मुद्दों को एजेण्डा में शामिल किया जा रहा है।
- खंड स्तरीय सचिव बैठकों में लगातार पोषण स्वास्थ्य मुद्दों को रखा गया ।
- ब्लाक स्तरीय, पर ग्रेडिंग समीक्षा किया जाता है। जिससे संस्थागत प्रसव अधिक हो रहे हैं । कारंजा, काकोडी, भानेगॉव, ककोडी, पालडोंगरी, सेक्टर में सुपरवाईजर द्वारा डाटा, ग्रेडिंग एवं आगामी कार्ययोजना तैयार की जाती हैं ।
- ब्लाक स्तरीय पर ऑगनबाडी कार्यकर्ता की 3 माह में समीक्षा बैठक का आयोजन किया जाता हैं जिसमें मंगल दिवस आहार समीक्षा, कुपोषित बच्चों तृतीय व चतुर्थ को बाल पोषण पुर्नवास योजना से जोडने हेतु प्रयास किया जाता है।
- आशा को मुख्य धारा में जोडने हेतु प्रथम रविवार माह में एक बार कार्यो की समीक्षा स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया जाता है।
- समस्त सेक्टर पर तृतीय शनिवार को बैठकों का संयुक्त रूप से आयोजन किया जाता है।
- ऑगनबाडी कार्यकर्ता की ट्रेनिंग एवं शिविरों में (महत्वपूर्ण ग्रहभेट सामूदायिक चार्ट नक्शा, विधिप्रदर्शन) अनिवार्यत करवाया जाता है।

ब्लाक स्तरीय गतिविधियॉ : परिणाम

- खण्ड स्तरीय बैठक होने से सेक्टर बैठकों का आयोजन हो रहा हैं जिसमें तृतीय शनिवार को बैठक का आयोजन किया जा रहा हैं ।
- प्रत्येक तीन माह में कैचप राउण्ड की कार्य योजना तैयार किया जाता हैं जिसके परिणाम स्वरूप लांजी बहेला सेक्टरो के 21 ग्रामो में टिकाकरण टीम वर्क में किया जाता हैं ।
- दोनों विभागों का समन्वय में सुधार आया हैं एक साथ गतिविधियों का आयोजन करते हैं मुस्कान शिविर, संयुक्त ग्रहभेट विधि प्रदर्शन महिला जागृति शिविरो का आयोजन हो रहा हैं ।
- खण्ड स्तरीय बैठक में पोषण स्वास्थ्य दिवस की समीक्षा दौरान मंगलवार को महिला बाल विकास द्वारा बैठक नही रखने के लिए खण्ड स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा पत्र परियोजना अधिकारी को दिया गया है। अब किसी सेक्टरो में मंगलवार को बैठक नही रखी जाती हैं ।
- दोनों विभाग द्वारा बाल संजीवनी की कार्य योजना तैयार की जा रही हैं एवं कार्य योजना अनुसार अभियान में स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा ही विटामीन ए पिलाया जाता हैं ।
- बाल संजीवनी अनुसार जुलाई माह में कुपोषित बच्चों की समीक्षा की गई जिसका निष्कर्ष निकला 135 बच्चों को जो तृतीय व चतुर्थ ग्रेड के हैं को सेक्टर वार प्रत्येक सप्ताह 3 बच्चों को पोषण पुर्नवास केन्द्र में भिजवाया जाये तथा ककोडी कालीमाटी पालडोंगरी में 30 बच्चो का वजन बड़ा हैं देखा गया ।
- ग्रेडिंग समीक्षा कर महिला बाल विकास द्वारा पंचायत का सहयोग बढ़ाने के लिए परियोजना अधिकारी. द्वारा पंचायत विभाग को अगस्त माह की ग्राम सभाओं के एजेण्डा में पोषण स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा करने हेतु पत्र मुख्य कार्यपालन अधिकारी को भेजा गया जिसमें पालडोंगरी बिसोनी कटंगी, कालीमाटी डुल्हापुर, ककोडी टेडवा में प्रभाव देखा गया ।
- ब्लाक स्तरीय आगनबाड़ी कार्यकर्ता की ट्रेंनिग में महत्वपूर्ण ग्रहभेट सामुदायिक चार्ट टीकाकरण, विधि प्रदर्शन एवं सहयोग हेतु मातृ सहयोगनी समिति, पंचायत की भागीदारी बढाई गई जिसमें कुल्पा कोचेवाही कटंगी पाथरगॉव सिहारी पालडोंगरी लाडसा, नल्हेझरी, में आगनबाडी गतिविधिया को लेकर सुधार देखा गया ।
- ब्लाक स्तर पर टीकाकरण में सहयोग बढ़ाने हेतु माह के प्रथम रविवार को आशा कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन स्वयं खण्ड स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा किया जा रहा हैं टीकाकरण पर सभी आशाओं की उपस्थिति बड़ी हैं ।
- ब्लाक स्तर पर पर्यवेक्षको द्वारा भ्रमण अनुभवो को सी.डी.पी.ओ. द्वारा अनुशंसा कर आगनबाडी की स्पष्टीकरण लेकर भेजा जा रहा हैं, जिसमें केन्द्रों का संचालन अच्छा हो रहा है।
- ब्लाक स्तरीय सचिव बैठक में सतत् प्रयासों द्वारा बैठक में पोषण स्वास्थ्य मुद्दों को रखने से पंचायत की जवाबदेही कोचेवाही, लोडमा, घोटी, नन्दौरा, कालीमाटी, मनेरी, देवलगॉव, में पंचायत द्वारा सेवा प्रदाताओं का आकलन किया जाने लगा सिगोंला में गर्भवती महिला को राष्ट्रीय रोजगार गांरटी के तहत प्रसुता का लाभ दिया गया ।

अन्य एन.जी.ओ.	अपहुच क्षेत्र	ऑगनबाडी केन्द्र भ्रमण
• लांजी ब्लाक में ब्लाक समन्वयक द्वारा पोषण स्वास्थ्य पर समझ वाटर सेड समिति नन्दोरा, सारदा एस.एच.जी. घोटी, एवं जनपद पंचायत व मोस्ट संस्था के कार्यक्रमों के साथ किया गया एवं साथ ही मुस्कान, सदभावना शिविर विधि प्रदर्शन व क्षेत्रीय प्रचार प्रसार निदेशालय के योजनाओं की जानकारी में 3 दिवस शिविरो संवाद प्रदर्शन की चल चित्र एवं नुक्कड नाटक में सहयोग दिया गया । • माह अगस्त में ग्राम, देवरबेली, बाटी कोपेवाही बिसोनी सोगलपूर बडगॉव मोहारा दहेगॉव सावरी खुर्द भूरसा डोंगरी कालीमाटी पालडोंगरी देवलगॉव में सूचना प्रसार निदेशालय को सहयोग किया गया ।	• लांजी सेक्टर में 11 अपहुच क्षेत्रों में कमियॉ हैं बहेला सेक्टर में अपॅहुच केन्द्र कम हैं नर्फी मलकुआ कटीपार पाडरी पराडी सितापला, नेवरवाही कुरादेही खुमार देही मण्डीपार सतोना बिद्री करादेही में केचप राउण्ड में टीकाकरण कार्य होता हैं । • पेट की जॉच एवं रक्तचाप : भनेरी ककेरी कुम्हारीखुर्द सावरीकला डोरली में रोस्टर अनुसार नही होती हैं ।	• अनौपचारिक बच्चो की उपस्थिति 50 प्रतिशत से लेकर 70 प्रतिशत तक है। । • मंगल दिवस का आयोजन 40 प्रतिशत केन्द्रो पर गुणवत्ता पूर्ण हैं। • किचन गार्डन कारंजा, मोहारा जूनेवानी नस्कटा घोटी दिघोरी जैतवारा मोहझरी में देखा हैं • परिवर्तकर्ता प्रदर्शन केन्द्र के साथ साथ मोहारा लोहारा सावरी खुर्द में सक्रिय हैं । • व्यवहारो की स्थिति में संस्थागत प्रसव, प्रसव योजना, बच्चों को नही नहलाना, नाल पर कुछ नहीं लगाना, उपरी आहार की शुरूआत हुई हैं ।

विभागों के साथ समन्वय :

- आगनबाड़ी भ्रमण दौरान अनुभवो को लेकर परियोजना अधिकारी एवं खण्ड स्वास्थ्य अधिकारी को सुझाव पत्र समन्वयक द्वारा दिया जाता हैं जिसमें इस माह की गतिविधियॉ आगनबाडी केन्द्रो की कमियॉ एवं अच्छाईयो को रखा जाता हैं इसको लेकर सी.डी.पी.ओ. द्वारा कुछ निर्णय लिये जाते है। जिस पर प्रर्यवेक्षो को निदेर्शित कर सुझाव द्वारा सुधारने के प्रयास जैसे संयुक्त भ्रमण स्पष्टीकरण, सेक्टर बैठको में समीक्षा की जाती थी प्रभाव इस प्रकार हैं । पाथरगॉव कोचेवही बापडी वारी नन्दौरा सिहारी कुम्हारी खुर्द भानेगॉव, मोहझरी में सुपरवाईजर भ्रमण किया गया बडगॉव कारंजा सिधोला लोडमा देवलगॉव में आगनबाडी स्वास्थ्य कार्यकर्ता बैठक द्वारा रिकार्ड मिलान हुआ हैं लोडमा दुल्हापुर ककोडी जूनेवानी चिखलामाली डोरली अमेडा व सावरी खुर्द जामूनटोला में संयुक्त ग्रहभेट हुआ हैं ।

व्यवहार समीक्षा :

- भ्रमण प्रपत्र अनुसार अलग अलग हितग्राही से मिलने एवं पोषण स्वास्थ्य दिवस पर हितग्राही का साक्षात्कार करने पर व्यवहारो की स्थितियों का आंकलन किया जाता हैं इन आकडो को बी.एल.ए.सी. में प्रस्तुत किया जाता हैं एवं ग्रेडिंग अनुसार केन्द्र की सूची बनाकर कमजोर केन्द्रो की पहचान कर सेक्टर की पहचान कर सेक्टर बैठको में इस आगनबाडी कार्यकर्ता भ्रमण संयुक्त ग्रहभेट दलवार गतिविधियॉ एक शिविरो का आयोजन एवं आगनबाडी का क्षमता विकास हेतु अन्य गतिविधियॉ शिक्षासत्रो रोलप्ले प्रश्नोत्तरी द्वारा किया जाता हैं।

सेक्टर स्तरीय आंकलन

क्र.	गतिविधियॉ	लांजी	ककोड़ी	भानेगॉव	पाल डोंगरी	बहेला	कालीमाटी	कास्बा
1	आगनबाडी संख्या	37	27	23	27	20	22	32
2	संयुक्त बैठक	No	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes
3	शिक्षा सत्र का आयोजन किया जाता है।	No	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes
4	आंगनवाडी केंद्र प्रपत्र का उपयोग	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes
5	पोषण स्वास्थ्य दिवस	32	27	22	27	17	22	32
6	पंचायत एवं सामुदायिक सदस्य	03	07	05	11	11	08	04
7	ग्रहभेट	30	27	23	18	20	20	28
8	आंगनवाडी केंद्र के रिकार्ड अद्यतित पाये गये।	20	23	18	17	13	15	25
9	संचार सामग्री	18	22	19	26	19	18	11
10	आंगनवाडी केंद्रों की संख्या ग्रेड के अनुसार							
10.1	A	12	12	10	15	12	11	14
10.2	B	14	8	05	06	05	06	12
10.3	C	11	7	04	06	03	05	06

सेक्टर स्तर :

- 6 सेक्टर में ककोडी, भानेगॉव, कालीमाटी, पालडोंगरी, कारंजा, बहेला, निधारित तिथियों पर बैठक का आयोजन होता है।
- बैठको में सत्रो का आयोजन ककोडी भानेगॉव बहेला कालीमाटी में नियमित होता हैं ।
- प्रत्येक सेक्टर में आगनबाडी में ग्रेड अंकित किया गया है। ।
- संयुक्त बैठक दौरान (कार्ययोजना सेक्टर वार दलवार ग्रहभेट) बनायी जाती हैं ककोडी पालडोंगरी भानेगॉव लांजी कालीमाटी में पोषण आहार सप्ताह स्तनपान दिवस महिला जागृति, कमजोर आगनबाडी में ग्रहभेट दलवार किया जाता हैं दुल्लापुर कालीमाटी इटोरा खजरी टेडवा देवरबेली कुम्हारी खुर्द मोहझरी कारंजा साडरा, दहेगॉव, रिसेवाड़ा में कार्यक्रम आयोजित किया गया ।
- तकनीकि स्तर की जानकारी हेतु विधि प्रदर्शन का आयोजन 07 सेक्टर में किया गया ।
- भ्रमण के दौरान भ्रमण प्रपत्र का उपयोग क्रमशः भानेगॉव कालीमाटी पालडोंगरी, लांजी, पर्यवेक्षकों द्वारा प्रयोग किया जा रहा हैं ।
- नवाचारो एवं व्यवहारो की गुणवत्ता पर सेक्टर बैठको में भानेगॉव, ककोडी में समीक्षा जिसमें सुपरवाईजर द्वारा जीवन की आशा को विशेष प्राथमिकता दिया गया हैं ।
- सेक्टर स्तर पर आगनबाडी कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा रिकार्ड मिलान किया गया ।
- आशा कार्यकर्ता का ककोडी में सेक्टर बैठको में उपस्थिति ।
- मातृ सहयोगनी समिति की सक्रियता भानेगॉव लांजी में बैठको में क्षमता विकास किया ।
- शिशु मृत्यु संस्थागत प्रसव, सेवाओं योजनाओं संबंधित आकडों की पहचान कर कमजोर केन्द्र पर ककोडी, भानेगॉव, बहेला में भ्रमण सुनिश्चित किया जा रहा हैं । सावरी खुर्द चिखलामाली कोचेवाही, डोगरगॉव में किया गया ।
- रोस्टर समीक्षा करना एवं अपहुचहीन क्षेत्रो मैं टिकाकरण के लिए कार्ययोजना बनाना ।

विकासखंड में सम्पन्न अन्य गतिविधियॉ / कार्यक्रम

गतिविधियॉ	लांजी	भानेगॉव	ककोडी	पालडोंगरी	कालीमाटी	कारंजा	बहेला
सदभावना शिविर	01	01	01	01	01	00	01
स्तनपान सप्ताह	01						
महिला जागृति	01	01	01	01	01	01	निरंक
मुस्कान शिविर	01			01	01	01	01
पंचायत बैठक	–	02	01	–	–	01	01
ग्राम सभा	01	–	01	02	–	–	–
वार्डसभा	01	01	01				

- सेक्टर बैठकों के आयोजन में शिक्षा सत्र रोलप्ले एवं प्रश्नोत्तरी कर ऑगनबाडी की क्षमता विकास किया गया जिसके परिणामस्वरूप कालीमाटी कारंजा ककोडी सेक्टर में प्रतिदिन आगनबाडी केंद्रों द्वारा प्राप्त होने वाली सेवाओं में गुणवत्ता दिखायी देती है।
- भ्रमण अनुभव में देखा गया कि कार्ययोजना अनुसार संयुक्त ग्रहभेट किया जा रहा है। जिसमें जूनेवानी दुल्लापुर नस्कट्टा के टोलो पर भ्रमण कर संस्थागत प्रसव बढ़ाया गया ।
- संयुक्त बैठक द्वारा रिकार्ड मिलान करने पर रिकार्डो में गुणवत्ता पालडोंगरी ककोडी भानेगॉव की जानकारी अच्छी पाई गई ।
- महिला बाल विकास पर्यवेक्षकों द्वारा मासिक रिपोर्ट में पोषण स्वास्थ्य दिवस में आयोजित गतिविधियों का आयोजन, अनौपचारिक शिक्षा स्तर, कुपोषण समीक्षा, आकड़ों की जानकारी, ब्लाकस्तरीय बैठक के लिए मुद्दे निकालने की क्षमता विकसित हुई हैं। जैसे पालडोरी में रोस्टर पर पोषण स्वास्थ्य दिवस नहीं होना ऑगनबाडी केन्द्र में मेडिकल किट नहीं होना।
- ग्रेडिंग करने से प्रत्येक केन्द्रो पर ग्रेडिंग लिखाया गया हैं जिससे केन्द्रों में ऑगनबाडी की कमियों का आकलन हो रहा हैं कमजोर सेक्टर कालीमाटी कारंजा, काकोडी,की पहचान कर पर्यवेक्षक का भ्रमण तय किया जा रहा हैं

विधि प्रदर्शन

स्थानीय आहार को बढावा आगनबाडी केन्द्रो पर आहार किट किचनगार्डन एवं स्तनपान गर्भवस्था नवजात देखभाल पर तकनीकि सत्रो की ऑगनबाडी में क्षमता विकास करना।

विधि प्रदर्शन के माध्यम से पालडोंगरी, बहेला ककोडी लांजी, कालीमाटी सेक्टरो में आहार कीट बनाई गई हैं जिसका उपयोग द्वितीय मंगलवार को अन्नप्राशन दिवस पर किया जा रहा है। जिसमें बेलगॉव में सत्र का उपयोग करने से बच्चो का वजन बड़ा हैं। भानेगॉव 05 ककोडी 12, लांजी 15, पालडोंगरी 19, केन्द्रो पर हुआ हैं । विधि प्रदर्शन के परिणाम स्वरूप लोडामा घोटी बारीकर्ता पालडोंगरी जैतवारा कोचेवाही टेडवा में किचन गार्डन बनाकर स्थानिय हरी सब्जियों को हितग्राही को भेट किया जा रहा हैं द्वितिय मंगल को विधि प्रदर्शन का आयोजन एवं तकनीकि जानकारी का स्तर आगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में बड़ा हैं । जिसमें मात्रा, गुणवत्ता, बारम्बारता, के आधार ऊपरी आहार की समझ बनाई गई हैं ।

तनपान सप्ताह का आयोजन

अगस्त माह में विश्व स्तनपान कार्ययोजन सप्ताह मनाया गया हैं एवं दलवार , सेक्टर पर स्तनपान सप्ताह मनाया गया जिसमें स्तनपान कराने का तरीका को कार्यकर्ता द्वारा रोलप्ले कर बताया गया जिसमें इससे होने वाले बच्चो एवं मॉ को फायदो के द्वारा हितग्राही को बताया गया जिसमें ककोडी भानेगॉव मोहझरी टेकारी देवरबेली कुम्हारीखुर्द दुल्लापुर पाथरगॉव में देखा गया एवं साथ ही नई आगनबाडी कार्यकर्ताओं ज्ञान स्तर पर समझ बनी ।

महिला जागृति

महिला जागृति अनुसार हितग्राही में व्यवहार परिवर्तन के साथ स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी नारी शक्तिकरण एवं कुपोषण पर पंचायत की भागीदारी को जोडते हुए पंचायत की उपस्थिति सुनिश्चित कर प्रचार–प्रसार हेतु किया गया जिसमें प्रश्न मंच द्वारा प्रश्नोत्तरी किशोरी शक्ति को बढावा दिया गया ।

समुदाय बाल विकास चार्ट अनुसार कुपोषण पर बच्चो का वजन आंका गया एवं कुपोषण की समझ हितग्राही को बनायी गई एवं पंचायत द्वारा देवलगॉव में एक बच्चो को गोदनामा दिया गया हैं

मुस्कान शिविर

मुस्कान शिविर के माध्यम से व्यवहारो की हितग्राही पर अवलोकन एवं 17 व्यवहारो प्रचार किया जाना साथ ही विधि प्रदर्शन कर उपरी आहार को बढाा दिया गया जिससे मंगल दिवस पर अनुप्राशन में गुणवत्ता देखी गई ।

पंचायत बैठक वार्ड सभा ग्रामसभा :

- पंचायत सदस्य द्वारा अनौपचारिक बच्चों की उपस्थिति बढाना जो मोहारा मोहेझरी, दुल्लापुर कटंगी, में वार्ड सभा के आयोजन के पश्चात संभव हो सका।
- ऑगनबाडी सेवाओं की समीक्षा पंचायत बैठकों में देखी गई हैं जैसे देवलगॉव, दुल्लापुर, अमेड़ा, मनेरी, देवरबेली आदि।
- पंचायत बैठकों एवं ग्राम में समीक्षा होने से केन्द्रों का संचालन अच्छा हो रहा हैं सेवाओं की कमीयों पर देवरबेली, कारंजा, वारी में पंचायत सदस्यो द्वारा बी.एम.ओ. को सूचित किया गया है।
- ग्रामसभाओं में उपरी आहार नवजात की समुदाय आधारित देखभाल पर समुदाय को जागरूक करने का प्रयास किया गया।

विकासखंड समन्वयक के कार्यानुभव

ऑगनबाडी केन्द्र भ्रमण	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	कुल
	09	09	04	22

- तीन माह में 22 केन्द्रों पर भ्रमण किया गया जिसमें एन.एच.डी. का स्तर 13 केन्द्रों पर अच्छा पाया गया जिसमें स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा पेट की जॉच बी.पी मशीन का नियमित उपयोग किया जा रहा था जिसमें वजन ऊॅचाई एवं गोद भराई का आयोजन एवं प्रसव योजना देखनी को मिली ।
- भ्रमण दौरान देखा गया कि 11 आगनबाड़ी में केन्द्रों का संचालन सही समय पर हो रहा था जिसमें 07 केन्द्रों संचार सामग्री का स्तर अच्छा देखा गया तथा जीवन की आशा का प्रयोग नवाचारों में किया जा रहा था जिसमें दुल्हापुर, टेकरी चिखली, भानपुर, ककोडी, बडगॉव, सहेकी में देखा गया जिसमें नवजात को गर्म रखना तुरन्त वजन करना व्यवहार देखने को मिला ।

- कुछ केन्द्र संयुक्त ग्रहभेट नहीं हो रही थी जिस पर पंचायतों को बताया गया एवं भ्रमण अनुभव को चिकित्सा अधिकारी को सूचित किया गया अमेडा भण्डेरी ऑगनबाडी केन्द्र भ्रमण के दौरान पंचों की उपस्थिति एवं केन्द्र के संचालन में मदद् देखी गई ।
- भ्रमण दौरान 7 केन्द्रो में महिला पंच प्रतिनिधियों का सहयोग देखने को मिला जैसे मंगल दिवसों में उपस्थिति, डोरली लोडमा, एवं बिसोनी केन्द्रो में मातृ सहयोगनी समिति के सदस्यों द्वारा ग्रहभेट किया जाता हैं ।
- 3 केन्द्रो पर प्रयवेक्षक द्वारा भ्रमण में प्रपत्र का उपयोग किया एवं इनके माध्यम सेक्टर बैठको में समीक्षा कर सुधार हेतु सुझाव दिये गये जिसमें ग्रहभेट एवं मंगल दिवस पर गुणवत्ता बढाई गई (भानेगॉव ककोडी कालीमाटी)

भ्रमण अनुभव : (उत्तरप्रदेश टीम)

- उत्तरप्रदेश टीम द्वारा बालाघाट ब्लाक बोदा, टेकाड़ी, भ्रमण किया गया जिसमें निम्न अनुभव देखे गये ।
- केन्द्रों की साज सज्जा बहुत अच्छी लगी एवं संचालन को विशेष प्राथमिकता दी गई महत्वपूर्ण ग्रहभेट पंजी मंगल पंजी द्वारा गोदभराई, एवं ग्रहभेट पर टीम द्वारा ग्रहभेट भी किया गया।
- हितग्राही में व्यवहारो की स्थिति का आकलन ग्रहभेट के अन्तर्गत देखा गया जिसमें बहुत समुदाय में जानकारी देखी गई ।
- टीम द्वारा दोनो विभागो का समन्वय एवं एक साथ कार्यक्रमो, संयुक्त ग्रहभेट, पंचायत विभाग द्वारा जुडाव को भी देखा गया ।
- ब्लाक स्तर जिला स्तर केन्द्र स्तर पर बालाघाट टीम को अच्छी पहुच एवं पहचान देखी गई ।

चुनौतियॉ

- पहुँचविहीन क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की प्राप्ति नहीं होना।
- परियोजना अधिकारी/खण्ड चिकित्सा अधिकारी के द्वारा गुणवत्तापूर्ण भ्रमण नहीं करना एवं सेक्टर बैठकों में ना जाना।
- कैच राउण्ड में मानिटरिंग का न होना।
- सतत कार्य योजना अनुसार महत्वपूर्ण ग्रहभेट नही होना।
- बैठको के माध्यम से आकडों की समीक्षा .सी.डी.पी.ओ. बी.एम.ओ. द्वारा लगातार नहीं किया जाना
- सचिव बैठकों में महिला बाल विकास./स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपस्थित होकर शोषण स्वास्थ्य मुद्दों को नही जोडना।
- वेक्सीन मांग पत्र सही नहीं बनाया जाना।
- सेक्टर बैठकों में सुपरवाईजर द्वारा उपस्थिति नहीं देना (लांजी सेक्टर)
- सेक्टर स्तर ब्लाक स्तर पर कुपोषण समीक्षा नहीं किया जाना।
- पंचायत विभाग द्वारा समन्वय बनाने एवं सचिव बैठको में समय न मिलना पोषण स्वास्थ्य मुद्दों पर ध्यान नही दिया जाना।
- विभागीय स्तर आई.सी.डी.एस./हेल्थ/पी.आर.आई. के साथ काम करना एवं मुख्य रूप से पी.आर.आई. को जोडना ।
- महिला बाल विकास द्वारा नियमित खण्ड स्तरीय बैठक में उपस्थित नहीं होना।

प्रशासनिक निर्देश – प्रभाव

- केयर द्वारा एन.एच.आर.एम. के सहयोग से संयुक्त खण्ड स्तरीय बैठक का करवाने के लिए सी.एम.एच.ओ. द्वारा पत्र निकलने से प्रत्येक ब्लाको में तिथि तय की गई एवं डी.पी.ओ. द्वारा भी सहमती दी गई।
- कलेक्टर महोदय, द्वारा खण्ड स्तरीय बैठक की कार्ययोजना तैयार किया जिसमें ब्लाक के दण्डाधिकारी एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी व परियोजना अधिकारी मुख्यकार्यपालन अधिकारी को नियमित बैठक आयोजित कर चर्चा हेतु

निर्देश दिया गया एवं जिला स्तर पर स्वास्थ्य समिति की बैठक में जिला अधिकारी द्वारा इसकी समीक्षा की जा रही हैं।

- परियोजना अधिकारी को ब्लाक चेक लिस्ट अनुसार भ्रमण करने के लिए भ्रमण में गुणवत्ता लाने जिला परियोजना अधिकारी द्वारा पत्र दिया गया जिसमें केन्द्र संचालन में सुधार दिखाई दिया ।
- महिला बाल विकास समीक्षा पत्रक रिपोर्ट में ब्लाक एवं सेक्टर स्तर पर जानकारी मंगवाई गई जिसकी समीक्षा जिला स्तरीय समीक्षा बैठक पर्यवेक्षक की रिपोर्टिंग क्षमता विकास हुआ ।
- समस्त परियोजना अधिकारी को पत्र के माध्यम से सेक्टर बैठक, भ्रमण एवं आगनबाडी की क्षमता वृद्धि बढ़ाने निर्देश दिये गये ।

Feeding Demonstration

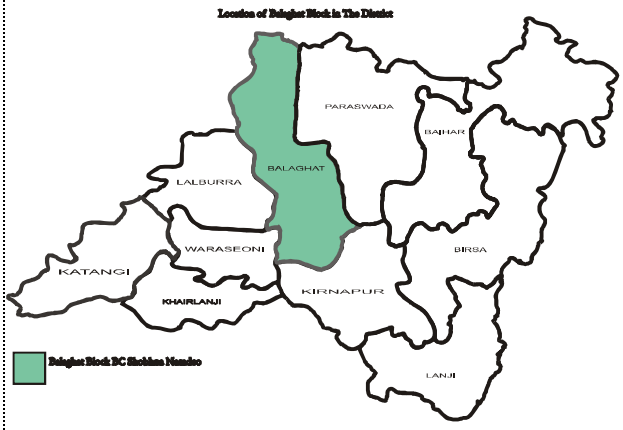

बालाघाट जिले का विकासखंड बालाघाट जहॉ सितंबर 2008 तक सतत कार्य किया गया।

विकासखंड समन्वयक : शोभना नामदेव

विकासखंड बालाघाट

सेक्टर बैठक : अनुभव

सेक्टर बैठक में यह कार्ययोजना प्रतिमाह बनाने में चर्चा की जाती हैं मिटिंग में सेक्टर टूल्स भरा जाता हैं पोषण एव स्वास्थ्य के 10 बिन्दूओं पर चर्चा की जाती हैं तथा रोलप्ले के माध्यम से कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा किया जाता हैं इस मिटिंग में आगनबाडी केन्द्र एवं हेल्थ विभाग के सुपरवाईजर तथा उपस्थिति होते हैं जिसमें दोनो विभाग में किये गये कार्यो की समीक्षा की जाती हैं तथा सत्रो का आयोजन किया जाता हैं। आगनबाडी केन्द्र पर मिल रही सुविधा स्वास्थ्य से संबंधित पोषण से संबंधित हितग्राहियों तक पहुच रही हैं या नही हितग्राहियों को लेकर जो समस्या (स्वास्थ्य व पोषण से संबंधित दोनो विभागों से उतना निराकरण इस बैठक के माध्यम से होता हैं रिकार्डों को चैक किया जाता हैं कार्यकर्ता व स्वास्थ्य कार्यकर्ता को मांग पत्र देती हैं जिसमें आने वाले माह के टिकाकरण में लक्ष्य होते हैं । उसके अनुसार वेक्सीन उपलब्ध होता हैं कार्यकर्ता व स्वास्थ्य कार्यकर्ता दोनो के टिकाकरण रजिस्टर में हस्ताक्षर करते हैं।

विकासखंड के 7 सेक्टरो में एन.एच.डी. हो रहा हैं सभी एक ही छत के नीचे हितग्राहियों को स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सुविधा मिलना 7 सेक्टरो में एन.एच.डी हो रही हैं जुलाई माह में 20 केन्द्रो पर एन.एच.डी. नही हो पाया था जिसमें भरवेली सेक्टर 6 केन्द्र पर नही हुआ भरवेली 2,3,4,6 भानेगॉव सुरवाही, अमेडा में नही हुआ पर इस माह में पूर्ण हो जायेगा जिसमें हितग्राहियों को स्वास्थ्य संबंधी सेवाएँ दी जा रही जैसे गर्भवती महिला को आयरन बी.पी. उंचाई वनज इत्यादि लिया जाता हैं और पोषण संबंधी सेवाएँ भी दी जाती हैं धात्री को भी समस्त सेवाएँ आयरन बच्चो का टीका इत्यादि दी जाती हैं । अपहुचहीन क्षेत्रो में भी टिकाकरण किया जा रहा है। तथा स्वास्थ्य सेवाएँ भी दी जा रही हैं ।

- सेक्टर में वेक्सीन पर्याप्त मात्रा में पहुच रहा हैं ।
- जानकारी की उपलब्धता ऑगनबाडी कार्यकर्ता आशा, स्वास्थ्य कार्यकर्ता को समय समय पर मिल रही पोषण स्वास्थ्य की जानकारी ।
- ग्रहभेट पर विशेष प्रयास किया गया जैसे परिवार के सदस्यों के सामने दिये जाने पर परिणाम सामने आते हैं
- 7 सेक्टरो में से 4 सेक्टरो में प्रपत्र की जगह रजिस्टर मे जानकारी लिखी जाती हैं ।
- 7 सेक्टरो में आहार किट का प्रदर्शन हो रहा हैं ।
- सेक्टर मिटिंग में रिकार्ड की जॉच की जाती हैं ।
- आगनबाडी विभाग में पर्यवेक्षक दोनो अपने अपने कार्यो की समीक्षा करते हैं जिससे स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा किये गये कार्यो की कमीयों को लेकर भी चर्चा की जाती हैं ।
- सेक्टर मिटिंग मे कार्यकर्ता के रिकार्ड देखा जाता है। जैसे टीकाकरण : टीकाकरण पूर्ण हुआ या नही और माह के लिए लक्ष्य निकला या नही आने वाली मांगपत्र भरा गया या नही ।

आगनबाडी केन्द्र अनुभव

- बालाघाट ब्लाक में 7 सेक्टरो केन्द्रों पर व्यवहार रिकार्ड अनौपचारिक शिक्षा समुदाय के लोगों से चर्चा कर व्यवहार की जानकारी ली गई ।
- अनौपचारिक शिक्षा की अगर बात करते तो 5 केन्द्रों पर अनौपचारिक शिक्षा का स्तर अच्छा है। । (26–5) केन्द्र भरवेली, टेकाडी खुटिया, अमेज धनसुआ
- केन्द्रों पर संचार सामग्री अच्छी देखने मिली भरवेली 1, 3 भरवेली, टोला मरारी टोला, अमेडा खुटिया, हिरापुर, भानेगॉव, धनसुआ 5 कच्छे केन्द्र है। ।
- रिकार्ड में (26–6) जिनके रिकार्ड अधुरे हैं बाकी सभी में रिकार्ड पूर्ण हैं । रावनबाडी, पायली, भरवेली –2, भरवेली, टोला इसमें से टीकाकरण का रिकार्ड सभी के पास लगभग पूर्ण मिलता हैं ।
- भरवेली के स्वास्थ्य केन्द्र पर जो टीकाकरण होता हैं वह गुणवत्तापूर्ण नही क्योकि उनमें हितग्राहियों को स्वास्थ्य संबंध शिक्षा नही मिलती पेट की जॉच, एवं रक्तचाप ऊचाई वजन नहीं होता हैं
- हितग्राहियों में परिवर्तन लाने में संस्था के द्वारा चलाये गये कार्यक्रम ग्रहभेट नवाचारों के द्वारा चलाये गये कार्यक्रम ग्रहभेट नवाचारों का आयोजन इससे जागरूकता लाने में मदद् मिली ।
- विधि प्रदर्शन एवं अन्य कार्यक्रम में मध्य से हितग्राहियों में ये परिवर्तन देखने मिला जैसे उपरी आहार, में तेल की गुणवत्ता, संस्थागत प्रसव, स्तनपान
- कार्यक्रमो कार्यकर्ता पर्यवेक्षक स्वयं इन सब कार्यक्रमों के माध्यम से हितग्राहियों परिवर्तन लाने का प्रयास कर रही हैं । जैसे स्तनपान का रोलप्ले, विधि प्रदर्शन इत्यादि ।
- केन्द्रों में आगनबाडी की स्थिति में सुधार देखने मिला । जैसे – आहार किट ग्रहभेट, करना ।
- मातृ सहयोगनी समिति, आशा कार्यकर्ता पंचायत सदस्य कार्यक्रमो में भागीदारी ले रहे हैं ।

खण्ड स्तरीय बैठकें

	जुलाई	अगस्त	सितम्बर
बैठकों आयोजन की तिथियॉ	30.07.08	08.08.08	10.10.08
रिकार्ड			
विभाग की स्थिति पर समीक्षा			
आगामी कार्ययोजना			
सेक्टर समीक्षा			
नयी आंगनवाडी कार्यकर्त्ताओं का प्रशिक्षण			

निर्णय

- पोषण स्वास्थ्य दिवस एवं भ्रमण पर स्वास्थ्य कार्यकर्ता का छूटे केन्द्रों पर पहुॅचना सुनिश्चित किया।
- शिशु मातृ मृत्यु के दोनों विभागों के रिकार्ड मिलने का सुनिश्चित किया गया।
- दोनों विभागों में व्यवहारिक एक रूपता देखने मिली ।
- जननी एक्सप्रेस की सुविधा के लिए जानकारी दी गई और आगनबाडी केन्द्रो पर बाहरी दिवालो पर लेखन करवाना सुनिश्चित किया गया ।
- दोनो विभागो ने रिकार्डो को लेकर विशेष चर्चा की ताकि रिकार्ड में एक समानता आ सके ।
- आगनबाडी विभाग में परियोजना अधिकारी ने कहा 2–3 मुद्दो को लेकर चर्चा करे और इनको ही पहले पूर्ण करे ताकि परिणाम मिले ।
- विभागो में विभाग से संबंधित कार्य योजना एवं व्यवहारों पर भी चर्चा होती हैं।
- खण्ड स्तरीय बैठक की तारीख निश्चित की गई
- आगामी माह के लिए भी कार्य योजना पर भी चर्चा की जाती है ।
- बी.एम.ओ. द्वारा एक लेटर जारी किया गया की मासिक 24–25 के बाद मे एक बैठक दोनों विभागों की रिर्पोट मिलने के लिए सुनिश्चित किया गया ।

विकासखंड स्तर पर अन्य कार्यक्रमों का आयोजन

प्रोजेक्ट मुस्कान नये ऑगनबाडी कार्यकर्त्ताओं का प्रशिक्षण, विधि प्रदर्शन पोषण आहार सप्ताह स्तनपान सप्ताह। उद्वेश्य था अति गंभीर कुपोषित बच्चो एवं गर्भवती महिला धात्री किशोरी बालिका की स्वास्थ्य की जॉच

विधि प्रदर्शन : नयी आगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की क्षमता वृद्धि करना ।

अपेक्षित परिणाम : ब्लाक स्तर पर तृतीय, चतुर्थ गेड में बच्चे की जॉच कर निःशुल्क स्वास्थ्य जॉच एवं दवाओं का वितरण किया गया । समुदाय में स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बडी जैसे उपरी आहार, शुरूआत मात्रा तेल उपयोग एवं समय पर टीकाकरण करवाना सुनिश्चित किया गया ।

अपेक्षित परिणाम

- ब्लाक में 7 सेक्टर में 167 केन्द्रों पर आहार किट तैयार कि गई ग्रहभेट में प्रयोग किया जा रहा हैं ।
- सेक्टर में विधि प्रदर्शन करके उपरी आहार की गुणवत्ता को बढ़ाया गया हैं ।
- आगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा आहार का प्रदर्शन करके दिखाया जा रहा हैं ।
- नयी आगनबाडी कार्यकर्ता का क्षमता वृद्वि किया गया जिसमें ग्रहभेट महत्वपूर्ण, रिकार्ड अघतन भ्रमण के दौरान देखा गया ।

खंड स्तर पर विभागीय समन्वय

महिला बाल विकास	स्वास्थ्य विभाग
▪ परियोजना ने महिला बाल विकास एवं स्वास्थ विभाग के लिए जो कार्य किया हैं उससे निरन्तर जारी रखने के लिए निरन्तर प्रयास रहेगा और उसमें गुणवत्ता लाने के भी प्रयास करेंगें । ▪ रिकार्डो में भी बहुत सुधार आया हैं और उसके लिए प्रयास भी बहुत अच्दा रहा । ▪ कार्यकर्ता में क्षमता विकास कार्यो में दक्षता बढ़ी । ▪ संयुक्त बैठक एव खण्ड स्तरीय बैठक को निरन्तर जारी रहेगी इसमें परियोजना को लाभ भी मिला। ▪ सेक्टर प्रपत्र भ्रमण प्रपत्र, ग्रेडिंग, प्रपत्र से आगे तक कार्यो को करने में गुणवत्ता मिलेगी।	▪ खण्ड स्तरीय बैठक का आयोजन नियमित 2 माह व नियमित स्वास्थ्य की समीक्षा में परियोजना स्टॉफ का सहयोग रहा । ▪ भ्रमण के आधार पर जो कमियॉ निकालकर कार्यो की समीक्षा करने में मदद् मिलती हैं। ▪ सेक्टर संयुक्त करण से दोनों विभागों में आपसी समन्वय बड़ा तथा कार्यो में सुधार आया । ▪ परियोजना द्वारा प्रशिक्षण करवाया गया उससे कर्मचारियों में स्वास्थ्य व्यवहारो के प्रति समझ व जानकारी का विकास हुआ है। ▪ कुपोषण को कम करने का प्रयास निरन्तर किया जा रहा हैं । जिसमें स्वास्थ्य विभाग द्वारा सहयोग किया गया।

ग्रम सभा पायली, रावनबंदी	परिणाम	पंचायत बैठकें पायली आमगॉव
▪ स्वास्थ्य एवं पोषण पर चर्चा । ▪ केन्द्र की व्यवस्था को लेकर और बच्चे उपस्थिति को लेकर। ▪ एन.एच.डी. पर पंचायत सदस्यों का सहयोग । ▪ कुपोषण पर चर्चा ▪ संस्थागत प्रसव के लिए जागरूकता लाना ।	▪ केन्द्र की व्यवस्था ग्राम पंचायत में कमरा दिलाया अब केन्द्र उसी जगह पर लग रहा हैं । ▪ कुपोषित बच्चा तृतीय व चतुर्थ या अन्य कार्यक्रम में भी सहयोग के लिए तैयार ▪ अनौपचारिक बच्चे की दर्ज बढ़ाने व कुपोषण का कम करने के लिए सहयोग । ▪ नयी कार्यकर्ता उसके कार्यो कमियों व उसकी क्षमता बढाने के लिए प्रयास । ▪ केन्द्र पर अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित करना ।	सरपंच ने एक बच्चे के लिये सहयोग दिया जिसके खानपान पर विशेष ध्यान दिया जा रहा हैं । तृतीय ग्रेड की बच्ची आज द्वितीय गेड में हैं ।

सचिव बैठकें

- सेक्टरों की सभी ऑगनबाडी केन्द्र पर पंचायत का सहयोग जैसे मंगल दिवस पोषण स्वास्थ्य दिवस ।
- ऑगनबाडी केन्द्रों पर बच्चों की उपस्थिति बढाने उन्हें केन्द्र पर जाने के लिए प्रेरित किया ।
- गर्भवती महिलाओं को आगनबाडी पर सारी सुविधा सुनिशिचित की जा रही हैं ।
- कुपोषण को कम करने के लिए आगनबाडी केन्द्र के बच्चों जैसे तृतीय, चतुर्थ ग्रेड के लिए सहयोग करना ।
- ग्राम में गर्भवती, बच्चों, धात्री को पोषण आहार मिल रहा हैं या नही इसकी जानकारी रखना।

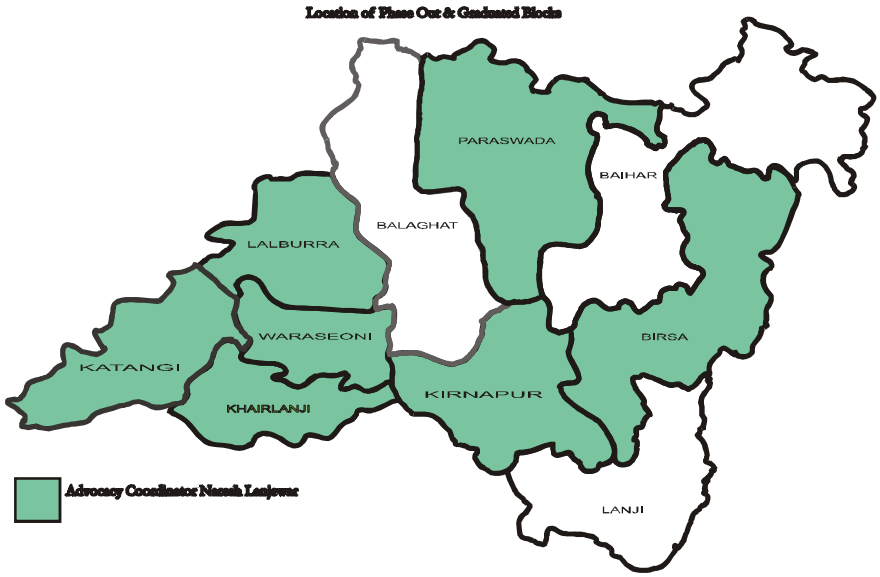

बालाघाट जिले के अन्य विकासखंड जिन्हें वर्ष 2006 और 2007 में छोडा गया था। अंतिम 6 माह कार्य किया गया।

विकासखंड समन्वयक : नरेश लांजेवार

पैरवी समन्वयक – भ्रमण अनुभव

परियोजना के अंतिम चरण में पूरे जिले में आई.सी.डी.एस. को समान स्तर पर लाने हेतु पैरवी समन्वयक के प्रावधान के साथ बालाघाट जिले के उन सभी विकासखंड में कार्य किया गया जो विगत 2006 और 2007 को छोडा गया था। सोच मुख्यतः कार्यक्रम को गति प्रदान करना था जैसे सेक्टर बैठक, विकासखंड बैठकों में गुणात्मक सुधार, टीकाकरण की सुनिश्चितता आदि। मुख्यतः चार माह की अवधि में तेजी से सभी विकासखंड में कार्य किया गया और प्रयास किया गया कि परियोजना की मुख्य गतिविधियों को बल मिले। इस अवधि में किये गये कार्य का प्रभाव निम्न रूप में देखा जा सकता है :

- वारासिवनी, लालबर्रा, किरनापुर, खैरलांजी, कटंगी में कार्यकर्ता द्वारा अधिकांश केन्द्रों पर महत्वपूर्ण ग्रहभेट समयानुसार की जा रही है।
- महिला बाल विकास प्रदर्शन के माध्यम से समुदाय को स्वास्थ्य व्यवहारों पर जागरूक किया जा रहा हैं ।
- पहले के व्यवहारों की तुलना में संस्थागत प्रसव का अनुपात बढ़ा हैं जिससे शिशु मृत्यु व माता मृत्यु में कमी आई ।
- बिरसा व डाबरी सोनगुड्डा व परसवाड़ा में चिखलाबोडी, डोरा व कुछ सेक्टर को छोडकर सभी जगहों पर पोषण एवं स्वास्थ्य के अनुसार टीकाकरण हो रहा हैं कटंगी मर्री, बिसोना बापडी अच्छा हैं।
- ऑगनबाडी कार्यकर्ता द्वारा केन्द्र स्तर मंगल दिवस का आयोजन गुणवत्ता पूर्ण देखा जिससे अन्नप्रसन प्रसव योजना में सुधार हुआ हैं गणेशपुर भानेगॉव, मानपूर खुरसोड़ी नवेगॉव रमरमा कायदी सिर्री सिवनघाट, ओरम्हा, बाहकल, खजरी, तिरोड़ी, सिरपुर, जाम में परिवर्तनकर्ता आज भी सक्रिय हैं व स्वास्थ्य एवं ऑगनबाडी कार्यकर्ता सावरी, खरखडी, मानपुर, दीनी मोरेवाही, रमरमा, खुरसीपार, साथ मिलकर ग्रहभेट का कार्य कर रहे हैं ।
- कुछ जगहों पर स्वास्थ्य कार्यकर्ता की संयुक्त परिणामदायक ग्रहभेंट देखी गई कटंगी मानपूर, बिनोरा,
- मुद्दा आधारित संयुक्त बैठकों का आयोजन जिसमें सत्र आयोजन, डाटा समीक्षा (शिशु व मातृ मृत्यु समीक्षा मांगपत्रक का उपयोग आदि देखा गया । रजेगॉव, किरनापुर, बुदबुदा, वारासिवनी, खजरी कटंगी खैरंलांजी,
- कटंगी खैरलांजी, किरनापुर, वारासिवनी, में हर माह खण्ड स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन हो रहा है जिसमें खण्ड चिकित्सा अधिकारी/परियोजना अधिकारी/एल.एच.व्ही. सुपरवाईजर ऑगनबाडी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता की उपस्थित में शिशु मृत्यु व मातृ मृत्यु की डाटा समीक्षा हो रही हैं ।
- वारासिवनी, लालबर्रा, कटंगी, किरनापुर, परसवाड़ा, बिरसा, खैरलांजी, सभी जगहों पर सेक्टर पर्यवेक्षक द्वारा निर्धारित नौ बिन्दुओं के आधार पर सेक्टरवार ग्रेडिंग की गई व कार्यकर्ता को जिन बिन्दूओं पर समस्या आयी उन्हें कार्य करने निर्देर्शित किया गया ।
- डाबरी, सोनगुड्डा, बिरसा, तथा परसवाड़ा में कुछ अपहुचहीन क्षेत्रों पर केचअप राउण्ड के माध्यम से टीकाकरण का कार्य पूरा किया जा रहा हैं ।
- केयर द्वारा दिए गये सेक्टर प्रपत्र व केन्द्र भ्रमण प्रपत्रो का उपयोग तिरोड़ी खजरी कटंगी बुदबुदा झालीवाड़ा वारासिवनी, रजेगॉव किरनापुर में देखा गया ।
- पंचायत सदस्यों द्वारा ऑगनवाडी कार्यकर्ता व स्वास्थ्य कार्यकर्ता के साथ संयुक्त भ्रमण कायदी, वारासिवनी में देखा गया ।

Phase Out Blocks

Photographs Of Closer Meetings

BLAC

ICDS Monthly Meeting

DLAC

विकासखंड स्तरीय गतिविधियॉ

गतिविधी	वारासिवनी	लालबर्रा	किरनापुर	खैरलांजी	कटंगी	परसवाडा	बिरसा
बी.एल.ए.सी	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	No	Yes
निर्धारित तिथि	4 Day of Month	No	7	4	6	No	8
हेल्थ उपस्थिति	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	No	Yes
आंकडों की समीक्षा	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes
आगामी कार्ययोजना	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes
सेक्टर समीक्षा	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes
वेक्सिन सप्लाई	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes
विकासखंड सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन							
जुलाई	Yes	No	Yes	Yes	Yes	No	No
अगस्त	No	Yes	Yes	Yes	Yes	No	Yes
सितम्बर	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	No	Yes

विकासखंड स्तरीय गतिविधियॉ

वारासिवनी	लालबर्रा	किरनापुर
प्रोजेक्ट मुस्कान, विधि प्रदर्शन, नई ऑगनबाडी प्रशिक्षण	जनजागरूकता अभियान, विधि प्रदर्शन	विधि प्रदर्शन
अति गंभीर कुपोषित बच्चों गर्भवती महिला धात्री महिला किशोरी बालिका को स्वास्थ्य जॉच स्थानीय आहारों को प्रोत्साहन करना एवं नई ऑगनबाडी कार्यकर्त्ता की क्षमता वृद्धि।	स्वास्थ्य व्यवहारों के प्रतिजागरूकता समुदाय की जवाबदेही तथा स्थानीय आहार को प्राथमिकता देना ।	स्थानीय आहारों का महत्व व गुणवत्ता समुदाय में समझ बनाना।
विकासखंड स्तर पर तृतीय व चतुर्थ ग्रेड कुपोषित बच्चे के स्वास्थ्य जॉच कर दवाओं का वितरण किया गया । समुदाय में स्वास्थ्य व्यवहारों को लेकर जागरूकता बडी उपरी आहार की शुरूआत तुलनात्मक संपूर्ण टीकाकरण । सेक्टर बुदबुदा में आहार किट का प्रदर्शन व समुदाय में स्थनीय आहार के प्रति जागरूकता व कार्यकर्ता द्वारा ग्रहभेंट के दौरान आहार किट का उपयोग किया जा रहा । नई ऑगनबाडी कार्यकर्ताओं द्वारा महत्वपूर्ण ग्रहभेंट समय पर की जा रही है । गुणवत्ता पूर्ण नवाचार का आयोजन किया जा रहा है।	ग्राम साल्हे में पंचायत द्वारा पोषण व स्वास्थ्य पर जागरूकता आई जिनके द्वारा केन्द्र की निगरानी एवं सहयोग किया जा रहा हैं । ऑगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा केन्द्रों पर आहार किट के माध्यम से स्थानीय आहारों का प्रदर्शन किया जा रहा हैं ।	ऑगनबाडी कार्यकर्ताओं द्वारा आहारकिट के माध्यम से स्थानीय आहारो का प्रदर्शन सात माह पश्चात् उपरी आहार की शुरूआत हो रही हैं ।

खैरलांजी	कटंगी	बिरसा
प्रोजेक्ट मुस्कान, नई आगनबाडी कार्य प्रशिक्षण ।	नई आगनबाडी कार्यकर्ता का प्रशिक्षण ।	प्रोजेक्ट मुस्कान
तृतीय व चतुर्थ अति गंभीर कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य जॉच । गर्भवती व धात्री व किशोरी बालिकाओं की स्वास्थ्य जॉच ।	कार्य क्षमता में वृद्धि	तृतीय व चतुर्थ ग्रेड गंभीर कुपोषित बच्चे की स्वास्थ्य जॉच, दवाओं का वितरण।
तृतीय व चतुर्थ ग्रेड कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य जॉच हुई व निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया महत्वपूर्ण ग्रहभेट के प्रति नई आंगनबाडी कार्यकर्ता में समझ बडी हैं व ग्रहभेंट किया जा रहाहैं । जीवन की आशा पुस्तिका का उपयोग किया जा रहा है ।	महत्वपूर्ण ग्रहभेंट हो रही है। स्वास्थ्य व पोषण सत्र लिया जा रहा है। आहार किट का उपयोग किया जा रहा हैं । गुणवत्ता पूर्ण नवाचारों का उपयोग	निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया पोषण पूर्नवास केन्द्र में बच्चों को भर्ती करवाया गया। स्वास्थ्य व्यवहारों के प्रति समुदाय में जागरूकता बढ़ी हैं । बच्चों का ऑगनबाडी केन्द्र पर नियमित वजन जॉच करवाया जा रहा है।

सेक्टर स्तरीय ऑकलन

Activities	Waraseoni	Kirnapur	Khairlanji	Katangi	Paraswada	Birsa
NHD Roster	6	7	6	7	8	12
Record H	6	7	5	7	6	07
Growth Chart	6	7	6	6	6	08
Immunization	6	5	6	7	8	10
Innovation	6	7	5	7	8	07
Change agent	4	7	6	4	6	10
MSS	6	7	6	7	8	10
IEC Display	6	7	6	7	8	10
ASHA	6	7	6	4	8	10
Demand Letter	6	2	3	7	2	10
Grading	3	7	6	4	8	4
Sector Fools	2	3	2	2	3	4
Visit Tools	3	4	3	4	5	6
BLAC	Yes	Yes	Yes	Yes	No	Yes
Joint Sector Meeting	04	05	03	05	02	02
ANM / AWW	02	02	02	03	02	04
PRI	06	04	03	03	04	06
Other NGO	02	01	-	01	01	1
Supervisor	06	07	03	07	06	08

संरपच मेला	सरपंच व सचिव प्रशिक्षण	सरपंच तथा सचिव बैठक
जिला स्तर पर केयर द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से पोषण व स्वास्थ्य जवाबदेही पर सरपंच मेले का आयोजन किया गया। जिससे कार्यक्रम अधिकारी द्वारा समस्त सरपंचो से इस विषय में चर्चा की गई कि किस प्रकार सरपंच स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार में सहयोग कर सकते हैं जिससे टीकाकरण में सुधार हो सकता हैं इस प्रकार जिला स्तरीय सरपंच मेला जिससे पंचायत सदस्यों के मात्र पोषण व स्वास्थ्य विषयों पर कार्य करने में काफी आसानी तथा वर्तमान समय में पंचायते काफी अच्छी तरह से भाग ले रही हैं।	ब्लाक स्तर पर पोषण व स्वास्थ्य विषया पर सभी सरपंच व सचिवो का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यतः केयर कार्यक्रम अधिकारी द्वारा सभी सरपंच व सचिवों को पोषण व स्वास्थ्य पर समझाया गया व प्रशिक्षण दिया गया इसी का परिणाम रहा कि पंचायत का ग्राम स्तर पर पोषण व स्वास्थ्य पर सहयोग मिलने लगा तथा कई पंचायते इस विषय पर अपनी भूमिका समझने लगी ।	ब्लाक स्तरीय सरपंच/सचिव बैठकों के माध्यम से पंचायत सदस्यों को जोडने का प्रयास किया गया जिससे की पंचायत ग्राम स्तर पर अपनी भूमिका समझे व ग्राम की स्वास्थ्य समस्याओं पर ध्यान दे इन बैठकों में निम्न प्रकार से अपनी बात रखने का प्रयास किया गया। • टीकाकरण निर्धारित दिवस पर हो रहा या नहीं । • स्वास्थ्य कार्यकर्ता व ऑगनबाडी कार्यकर्ता अपनी सेवाऐं दे रही हैं या नही । • पंचायतों द्वारा ग्राम सभाओं का पोषण व स्वास्थ्य को शामिल करना । • पंचायतों द्वारा कुपोषित बच्चो को गोद लेना व उनकी देखभाल करना । • प्रत्येक माह स्वास्थ्य समिति की बैठक का आयोजन । • ऑगनबाडी कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता की संयुक्त बैठक । • ऑगनबाडी लगाने हेतु भवन आदि विषयों पर ब्लाक सरपंच/सचिव की पोषण व स्वास्थ्य से जोडने का प्रयास किया गया ।

पोषण और स्वास्थ्य पर पंचायती राज संस्थाओं के साथ गतिविधियॉ

वार्डसभा	पंचायत समन्वय	ग्रामसभा
बाहकल	चकरवाही	मदनपुर
जरामोहगॉव	कायदी	
वारा	चकरवाही	
खुरसाडी	रमरमा	
कटंगी	नांदी	
बिनोरा	गणेशपुर	
मर्री		

प्रभाव

- बाहकल, वार, कटंगी, में वार्डसभा के माध्यम से अनौपचारिक शिक्षा के बच्चों की कम उपस्थिति की बात रखी गई, जिसमें अनौपचारिक शिक्षा, के स्तर में सुधार आया है ।
- कायदी व रमरमा ग्राम पंचायतों द्वारा ऑगनबाडी केन्द्र के निरीक्षण कर गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जॉच के लिए टेबल दिया गया, ऑगनबाडी कार्यकर्ता के साथ संयुक्त ग्रहभेंट की शुरूआत हुई।
- मदनपुर ग्रामसभा में पोषण व स्वास्थ्य का मुद्दा शामिल किया गया तथा पंचायत चतुर्थ ग्रेड कुपोषित बच्चों की माता–पिता को पोषण पुर्नवास केन्द्र में बच्चों की भर्ती करवाने की सलाह दी गई।
- पंचायत सरपंच व पंचो द्वारा ऑगनवाडी में संचालित व क्रियान्वित कार्यक्रमों में उपस्थित होकर पोषण व स्वास्थ्य विषय पर समुदाय से बातचीत की जा रही है।

भ्रमण अनुभव	व्यवहार की स्थिति का आंकलन
• मंगल दिवस व पोषण स्वास्थ्य दिवस. का गुणवत्ता पूर्ण संचालन हो रहा है पोषण स्वास्थ्य दिवस में स्वास्थ्य समझाईश के साथ साथ टीकाकरण संपूर्ण है, जिससे टीकाकरण का स्तर 80 प्रतिशत हो गया मंगल दिवस के गुणवत्ता पूर्ण संचालन व क्रियान्वयन के कारण तुरन्त स्तनापन उपरी आहार, व संस्थागत प्रसव में सुधार आया है। • पंचायत सदस्यों द्वारा ऑगनबाडी में संचालित कार्यक्रम व गतिविधियों में सक्रियता बढ़ी हैं अब पंचायतें पोषण स्वास्थ्य को ग्रामसभा मुद्दें को शामिल करने लगी हैं। • ग्रहभेंट का स्पष्ट प्रभाव दिख रहा है इससे संस्थागत प्रसव व समय पर टीकाकरण में सुधार आया।	• गर्भवती महिलाओं द्वारा आयरन की गोली के उपयोग पर पहले की तुलना में वृद्धि हुई है। • संस्थागत प्रसव के स्तर में सुधार आया ज्यादा से ज्यादा हितग्राही संस्थागत प्रसव करवा रहे हैं। • गर्भवती महिला व नवजात शिशु वाली माता के यहॉ ऑगनबाडी कार्यकर्ता व स्वास्थ्य कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण ग्रहभेंट बढ़ी हैं जिससे संस्थागत प्रसव व तुरन्त स्तनपान आकडों में सुधार आया है। • बच्चों को सही समय पर उपरी आहार की शुरूआत हो रही है । • तेल/घी का प्रयोग हो रहा हैं जिससे मात्रा गुणवत्ता में सुधार आया है । • ऑगनबाडी कार्यकर्ता व स्वास्थ्य कार्यकर्ता में महत्वपूर्ण ग्रहभेंट समय पर करने के कारण टीकाकरण के स्तर में काफी सुधार आया है।

केयर का सहयोग

एकीकृत पोषण एवं स्वास्थ्य परियोजना में कुपोषण व मातृ मृत्यु दर में कमी लाने व समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने में सभी स्तरों पर केयर का सहयोग महत्वपूर्ण स्थान रखता है। बालाघाट जिले में केयर ने सन् 2002 से सी.डी.सी के साथ पोषण व स्वास्थ्य पर अपना कार्य प्रारंभ किया था । इन पिछले पॉच से छः सालों में कुपोषण में लगभग 14 प्रतिशत व शिशु मृत्यु दर 10 प्रतिशत की कमी केयर के साथ बनायी गयी रणनीति योगदान का ही परिणाम है केयर से प्राप्त सहयोग को हमारी अलग अलग चरणों में इस प्रकार देख सकते हैं :

प्रशासनिक स्तर	प्रशासन के साथ कार्य करने में केयर कार्यक्रम अधिकारी की भूमिका महत्वपूर्ण स्थान रखती है । इस पूरे कार्यक्रम में सरकारी कर्मचारी व अधिकारियों के साथ कार्य करना बहुत बडी समस्या थी । जिसमें कार्यक्रम अधिकारी का सहयोग प्राप्त हुआ । मुख्यतः
स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास में समन्वय	दोनों विभागों के साथ आपसी समन्वय स्थापित करने में चाहे सुपरवाईजर के साथ बातचीत हो परियोजना अधिकारी से बातचीत हो या कमियो में सुधार हो इन सभी मुद्दों पर आपसी समन्वय स्थापित हुआ ।
सेक्टर समायोजन	एकीकृत पोषण स्वास्थ्य परियोजना के पूर्व महिला एवं बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के सेक्टर एकीकृत नहीं थे जिसे जिला कलेक्टर के माध्यम से सेक्टरों का एकीकरण किया गया ।
संयुक्त सेक्टर बैठक	महिला बाल विकास एवं स्वास्थ विभाग की संयुक्त बैठक करवाने में सहयोग प्राप्त हुआ जिससे बैठक में वार्षिक केलेण्डर के आधार पर सत्रों का आयोजन होने लगा टीकाकरण व कुपोषण आकड़ों की समीक्षा होने लगी व आगामी माह में वेक्सीन सप्लाई के लिए आंगनबाडी कार्यकर्ता द्वारा स्वास्थ्य कार्यकर्ता को योग पत्रक की शुरूआत हुई व आगामी कार्ययोजना तैयार होने लगी।

महत्वपूर्ण ग्रहभेंट	गर्भवती व धात्री तथा कुपोषित बच्चे के यहॉ निर्धारित महत्वपूर्ण ग्रहभेंट आंगनबाडी कार्यकर्ता द्वारा एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा समय पर होने लगी।
नवाचारों का आयोजन	आंगनबाडी स्तर पर नवाचारों का आयोजन जिसमें मुख्यतः सांस बहु सम्मेलन, अन्नप्राशन, गोदभराई होने लगी जिसमें समुदाय में पोषण व स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बडी अतः इसे आंगनबाडी विभाग द्वारा मंगल दिवस के रूप में करवाया जा रहा हैं ।
पोषण व स्वास्थ्य दिवस	पोषण व स्वास्थ्य दिवस में एक ही छत के नीचे टीकाकरण व पोषण आहार का वितरण की शुरूआत व पोषण आधार का वितरण की शुरूआत हुई जिससे एक निर्धारित दिन पर टीकाकरण व स्वास्थ्य सेवाएँ तथा पोषण आधार समुदाय को मिलने लगा । जिससे टीकाकरण में काफी सुधार हुआ
आंगनबाडी कार्यकर्ता व स्वास्थ्य कार्यकर्ता की संयुक्त ग्रहभेट	आंगनबाडी कार्यकर्ता व स्वास्थ्य कार्यकर्ता की संयुक्त ग्रहभेंट की शुरूआत हुई जिससे अवसरो में सुधार हुआ ।
ग्रेडिंग	ग्रेडिंग नौ बिन्दुओं के आधार पर सम्पूर्ण जिले में सेक्टर आधार पर आंगनबाडी केन्द्र की ग्रेडिंग की गई जिससे ए.बी.सी. के आधार पर कमजोर केन्द्रो का चिनान्कन हुआ तथा कमजोर केन्द्र में पायी गई कमियों को दूर करने के लिए कार्ययोजना बनाई गई वर्तमान में ग्रेडिंग स्वयं की जाने लगी हैं।
खण्ड स्तरीय बैठक	ब्लाक स्तर आई.सी.डी.एस. व हेल्थ की खण्ड स्तरीय समीक्षा होने लगी जिससे आई.एम.आर. /एम.एम.आर आकडे कुपोषण समीक्षा टीकाकरण से छुटे बच्चे अपहुचहीन सेक्टर तक पहुच पूर्ति, होम विजिट आंकडे व आंगनबाडी कार्यकर्ता स्वास्थ्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता के कार्यो की समीक्षा आदि सभी ब्लाको में होने लगी ।
जिला स्तरीय बैठक	जिला स्तरीय बैठक में केयर कार्यक्रम अधिकारी द्वारा समय समय पर जो मुद्दे निकलते हैं जैसे वेक्सीन की क्या स्थिति हैं केचअप राउण्ड, सभी अपहुचहीन क्षेत्र तक समय पर चल रहा है या नही एन.एच.डी रोस्टर के आधार पर टीकाकरण संचालन की क्या स्थिति हैं । जिला स्तर पर रीड की चीजो की नियमित बनाने के लिए लेटर का निकालना आदि किया गया ।
विधि प्रदर्शन	इन कार्यक्रमों के माध्यम से हमें स्थानीय उपरी आहार के बारे समुदाय की जागरूकता करने का अवसर प्राप्त हुआ ।
महिला जाग्रति शिविर	जगह जगह पर सभी ब्लाको में सेक्टर स्तर पर आयोजित महिला जागृति शिविरो में केयर कार्यक्रम अधिकारी का सहयोग प्राप्त हुआ ।

समस्याऍं

अन्य कार्यक्रम की तुलना में पोषण व स्वास्थ्य कार्यक्रम में बहुत सारी समस्याऍं हैं इसमें प्रमुख समस्याऍं इस प्रकार हैं :–

- नये कर्मचारियों का आना : नई आगनबाडी कार्यकर्ता व संविदा सेक्टर पर्यवेक्षक जिन्हें न किसी प्रकार प्रशिक्षण दिया गया हैं और न ही कार्यक्रम में जिनकी सक्रियता रही यह आगे किस प्रकार कुपोषित व मातृ तथा शिशु मृत्यु पर कार्य करेंगें यह सबसे बडी समस्या हैं।
- अधिकारियों के तबादले :महिला बाल विकास अधिकारी, खण्ड चिकित्सा अधिकारी व मुख्य कार्यपालन अधिकारी सभी ब्लाक में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं । परन्तु इनके जाने के बाद गतिविधियॉं प्रभावित होती हैं ।
- पॅहुचविहीन क्षेत्र : पॅहुचविहीन क्षेत्र तक पहुच पाना आज भी बहुत बडी समस्या का कारण हैं
- निरन्तर हितग्राही का बदलना : निरन्तर नये हितग्राही का बदलना भी अपने आप में कार्यक्रम की निरन्तरता की प्रभावित करती हैं ।
- आगनबाडी /स्वास्थ्य कार्यकर्ता : स्वास्थ्य कार्यकर्ता व आगनबाडी कार्यकर्ता में आपसी समन्वय हमेशा बना रहता हैं या नही यह समस्या ।

कार्यक्षमता वृद्धि में केयर से सहयोग	व्यक्तिगत कार्यक्षमता वृद्धि
कार्यक्षमता वृद्धि में केयर कार्यक्रम अधिकारी का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण रहा । इससे न केवल कार्य करने सहायता मिली बल्कि हमारी व्यक्तिगत कार्यकुशलता का भी विकास हुआ जिससे मुख्यतः केयर कार्यक्रम अधिकारी द्वारा हमार साथ ग्राम स्तर पर केन्द्रो की भ्रमण किया गया यह समझाया गया कि भ्रमण के समय किस हितग्राही से बातचीत होनी चाहिए किन – किन बातों का ध्यान दिया जाना चाहिए इसके अलावा सेक्टर बैठको शिविरों व विधि प्रदर्शन कार्यक्रम तथा प्रशिक्षणो में किस प्रकार पोषण व स्वास्थ्य पर सत्र लेना हैं । खासतौर पर प्रशासनिक अधिकारी से किस प्रकार व्यवहारो को लेकर बातचीत होनी चाहिए व किस प्रकार आकड़ो को रखा जाना चाहिए सी. डी.पी.ओ. बी.एम.ओ. सी.ओ. सी.एच.एम.ओ. बी.ई.ई. मासिक बैठको में हमारे द्वारा माह भर किए गए कार्यो को समीक्षा जिससे की अगले माह किन बिन्दूओं पर ध्यान देना हैं अगले माह इस कार्य मासिक रिपोर्ट किस प्रकार बनानी हैं डी.एम.पी.आर किस प्रकार भरा जाना हैं विजिट पत्रक केन्द्र भ्रमण एन.एचडी. प्रपत्र सेक्टर प्रपत्र आदि का उपयोग किस प्रकार किया जाए इसके साथ साथ कुपोषण व उपरी आहार की शुरूआत व शीघ्र स्तनपान संस्थागत प्रसव व टीकाकरण के आकडों की समीक्षा आदि कार्यो पर कार्य करने में केयर अधिकारी का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण रहा ।	व्यक्तिगत कार्यक्षमता वृद्धि में जैसे किस प्रकार अपना मासिक प्रस्तुती करण करना हैं शासकीय अधिकारियों से किस प्रकार बातचीत करना उस समय किस बातो का ध्यान रखना हैं सत्र लेते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए पूरे कार्य का मानीटरिंग किस प्रकार होना चाहिए इन सभी महत्वपूर्ण विषयों पर केयर कार्यक्रम अधिकारी का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण रहा । जिला स्तरीय महिला सम्मेलन विश्व महिला दिवस पर जिला स्तर पर मुख्यमंत्री म.प्र. की आमसभा में स्थानीय आहार किट का प्रदर्शन किया गया जिससे समुदाय को स्थानीय आधारों की जानकारी देने में काफी सहायता मिली। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन जिसका मुख्य उद्देश्य गॉव गॉव तक स्वास्थ्य सेवाऍं मुहया कराना व टीकाकरण सुनिश्चित करवाना व समुदाय में जागरूकता लाना हैं एकीकृत पोषण स्वास्थ्य परियोजना में कार्य करते हुए हमे राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का बहुत सहयोग मिला जिन जगहो पर टीकाकरण से छुटे बच्चे रहते कही अगर वेक्सीन उपलब्ध नही हो पा रही हैं या अपहुचहीन क्षेत्रो पर केचप राउड की बात हो सभी स्थितियों में एन.आर. एच.एम. का सहयोग मिला राष्ट्रीय ग्रमीण स्वास्थ्य मिशन के जिला अधिकारी श्री अशफाक खान सर द्वारा हमारी मासिक बैठको में उपस्थित होकर आगामी कार्ययोजना को लेकर मार्गदर्शन किया जाता रहा हैं इसके अलावा जिला स्तरीय जिला स्तरीय स्वास्थ्य समिति व सुपरवाईजरो की बैठको में भी हमे अपनी बात रखने का मौका दिया जाता हैं। इसके अलावा अपहुचहीन क्षेत्रो में लगने वाले हेल्थ केम्प में भी पोषण व स्वास्थ्य मुद्दो पर समुदाय को जागरूक करने का मौका हमें राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से अवसर मिला ।

अन्य संस्थाओं की पोषण और स्वास्थ्य पर क्षमतावृद्धि

अन्य स्वयं सेवी संस्थाओं को भी पोषण व स्वास्थ्य कार्यक्रम से जोडने का प्रयास किया गया जिसमें बालाघाट में महिला सशक्तिकरण व बाल अधिकारों पर कार्य कर रही संस्था आशा निवास को इसमें जोडा गया । बालाघाट में समनापुर क्षेत्र में वहॉ इनकी बैठकों व सभाओं पर जाकर शुरूआत में हमारे द्वारा स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा की गई अब इस संस्था के सदस्यों द्वारा भी स्वास्थ्य मुद्दों पर बातचीत की जाती हैं इस प्रकार जिले में संचालित अन्य संस्थाऍं भी इन विषयों पर कार्य करने लगी ।

परिणाम आधारित कार्ययोजना

- ग्रेडिंग के आधार पर कमजोर केन्द्रों का चिन्हांकन कर सुधार किया गया।
- कमजोर केन्द्र व सेक्ट बैठकों में आगनबाडी व स्वास्थ्य सुपरवाईजर के साथ भ्रमण किया गया
- कमजोर सेक्टर पर विधि प्रदर्शन, महिला जाग्रति शिविर के माध्यम से आगनबाडी .कार्यकर्ता मातृ सहयोगनी समिति व महिला की क्षमता विकास किया गया ।
- ब्लाक स्तर पर स्वास्थ्य कार्यकर्ता की क्षमता विकास हेतु दिवसीय प्रशिक्षण ।
- केन्द्र भ्रमण अनुभव को ब्लाक स्तर पर परियोजना अधिकारी व सेक्टर स्तर पर पर्यवेक्षक द्वारा निकाली गई कमियों को दूर करने कार्ययोजना बनाना ।
- सेक्टर स्तर पर नियमित संयुक्त बैठको में वार्षिक कलेण्डर के माध्यम से सत्र आयोजन रिकार्ड समीक्षा तथा मांग पत्रक का उपयोग सुनिश्चित ।
- रोस्टर प्लान के आधार पर एन.एच.डी. का संचालन ।
- ग्राम स्तर पर वार्डसभा ग्रामसभा व पंचायत बैठको के माध्यम से पंचायतो की सक्रिय किया गया।
- जिला स्तर पर पोषण व स्वास्थ्य पर सरपंच मेला का आयोजन ।
- आगनबाडी व हेल्थ दोनो विभागो के मध्य आपसी समन्वय स्थापित किया गया जिसमें आज सभी ब्लाको में संयुक्त कार्ययोजना बनाकर निरीक्षण व भ्रमण कर 10 प्रतिशत की कमी लाने के लिए तकनीकि प्रबंधकीय एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला स्तर का ब्लाक स्तर पर अधिकारियों की तथा साथ ग्राम स्तर पर पंचायत सदस्यों को जवाबदेही सुनिश्चित की गई ।
- विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन तथा इसमें पोषण व स्वास्थ्य को शामिल करना ।

भ्रमण यू.एस.ए.आई.डी.

दिनांक 09.09.08 को यू.एस.ए.आई.डी. से श्री रमेश जी, का भ्रमण खैरलांजी ब्लाक के सावरी व नवेगॉव आंगनबाडी केन्द्र पर हुआ भ्रमण पश्चात उन्होंने विकासखंड परियोजना अधिकारी श्रीमती कुसराम व सेक्टर पर्यवेक्षक से मुलाकात की, भ्रमण व ब्लाक समन्वय में उनके द्वारा नियम बातों पर ध्यान दिया गया

केन्द्र भ्रमण अनुभव	ब्लाक स्तर
• सर्वप्रथम उन्होंने केन्द्र में दर्ज गर्भवती, छात्री व 0–5 वर्ष के बच्चे की जानकारी ली । • आगन.केन्द्र में क्या क्या सेवाऍं प्रदान की जाती हैं । • मीनू चार्ट के आधार पर बच्चो को किस प्रकार का आहार दिया जाता है। • पोषण व स्वास्थ्य क्या हैं तथा पोषण व स्वास्थ्य पर क्या सेवाऍं दी जा रही हैं । • बच्चे कुपोषण में हैं इसके पीछे कारण क्या है। • सेक्टर सुपरवाईजर माह में कितनी बार आती हैं तथा किन किन विषयों पर समीक्षा की जाती हैं। • जब से केयर की शुरूआत हुई या केयर कार्य कर रहा हैं उससे पहले की सेक्टर बैठक व वर्तमान सेक्टर बैठक में क्या परिवर्तन आया हैं । • अनौपचारिक बच्चो की उपस्थिति कम होने के क्या कारण है। • केन्द्र में मंगल दिवस में क्या क्या होता है। • रिकार्ड कौन से हैं रिकार्ड की जानकारी ली । • सर्वे रजिस्टर की जानकारी ली तथा माह जानकारी ली की सर्वे किस प्रकार किया जाता हैं । • एक दिन में कितने हितग्राहीयों की ग्रहभेट दी जाती हैं तथा ग्रहभेट में किन व्यवहारो पर समझाया जाता है। • बच्चो का वजन लेकर वृद्धि चार्ट के माध्यम से बच्चो की ग्रेड की जानकारी ली । • सभी आगनबाडी केन्द्र में उपस्थित हितग्राही गर्भवती व धात्री महिलाओं से स्वास्थ्य व्यवहारो पर चर्चा की।	केन्द्र भ्रमण पश्चात् ब्लाक परियोजना अधिकारी व सुपरवाईजर से मुलाकात की तथा उनसे खण्डस्तरीय बैठक, संयुक्त स्तरीय बैठक व रिपोटिंग प्रवती का किस प्रकार उपयोग हो रहा हैं एम.पी.आर रिपोर्ट की समीक्षा की केयर से किस प्रकार सहयोग मिला आगे किस प्रकार वह कार्यक्रम का संचालन करेगे आदि विषयों पर बातचीत हुई । पर्यवेक्षकों से यह जानने की योजना की गई कि वह सेक्टर बैठक किस प्रकार लेते हैं सेक्टर बैठको में किन किन विषयों पर चर्चा की जाती हैं एवं स्वास्थ्य विभाग सहयोग किस प्रकार का रहा हैं एवं भविष्य में केयर से क्या अपेक्षा रखते हैं ।

उत्तर प्रदेश टीम भ्रमण अनुभव

दिनांक 03.09.08 को उत्तरप्रदेश से आये हुये स्वयं सेवी संस्था संचालक व केयर कार्यक्रम अधिकारी को बालाघाट ब्लाक में नेवरगॉव सेक्टर में बोदा व भरवेली सेक्टर में टेकाडी केन्द्र का भ्रमण करवाया गया । भ्रमण के दौरान जो अनुभव रहें इस प्रकार हैं :

- ऑगनबाडी में प्रदर्शित संचार सामग्री का प्रदर्शन उन्हे अच्छा लगा ।
- अनौपचारिक बच्चों की उपस्थिति व अनौपचारिक शिक्षा का स्तर उन्हें अच्छा लगा ।
- कार्यकर्ता द्वारा किया गया सर्वे व प्रत्येक मकान पर सर्वे क्रमांक का होना ।
- कार्यकर्ता द्वारा नियमित रिकार्ड संधारण करना ।
- ग्रहभेंट के दौरान समुदाय में पोषण व स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना ।
- कार्यकर्ता द्वारा 9 बिन्दूओं पर आधार पर हुई ग्रेडिंग की जानकारी होना अलग अपने केन्द्र पर ग्रेड का अंकित करना
- ब्लाक स्तर पर प्रशासन की सक्रियता का अच्छा होना ।
- संयुक्त सेक्टर बैठको का होना तथा इससे सत्र वार्षिक कलेण्डर के आधार पर रोलप्ले, मांग पत्र का उपयोग ।
- पंचायत का पोषण व स्वास्थ्य के प्रति सक्रियता व कुपोषित बच्चे की सहयोग ।

केन्द्र भ्रमण के अलावा उत्तरप्रदेश की टीम ने बालाघाट परियोजना अधिकारी श्री अजय साहू व जिला कलेक्टर श्री गुलशन बामरा से मुलाकात की तथा उनसे स्वास्थ्य तथा खण्ड स्तरीय बैठक सेक्टर स्तरीय बैठक पर चर्चा की इस पूरे भ्रमण में उन्हे प्रशासन की कार्यक्रम में सक्रियता व समुदाय का जागरूक होना उन्हें प्रभावित किया ।

उत्तरप्रदेश की टीम बालाघाट में जो अच्छे प्रयास व कार्य किए गये थे उन्हें देखकर कुछ सीखने आयी थी पर कुछ टीम सदस्यों द्वारा संचालित हर कार्य में नकारात्मक नजरिये से देखा जा रहा था। जिनमें खासतौर पर कुछ एन.जी.ओ. संचालक का रवैया काफी नकारात्मक रहा जैसे पंचायतों द्वारा किए गए प्रयासों को नकारात्मक तरीके से लेना इससे यह लगस हम जिन प्रयासों को बढ़ावा देना चाहते हैं उन प्रयासों की अवहेलना की गई, जो कि ठीक नही लगा।

Experience Sharing Of Visitors

CARE COUNTRY DIRECTOR

UP TEAM LEARNING VISIT

DOCUMENTATION CONSULTANT PARTICIPATE IN BALLS

UP TEAM INTERACTION WITH COLLECTOR

USAID MR.RAMESH BABU VISIT AT AWE

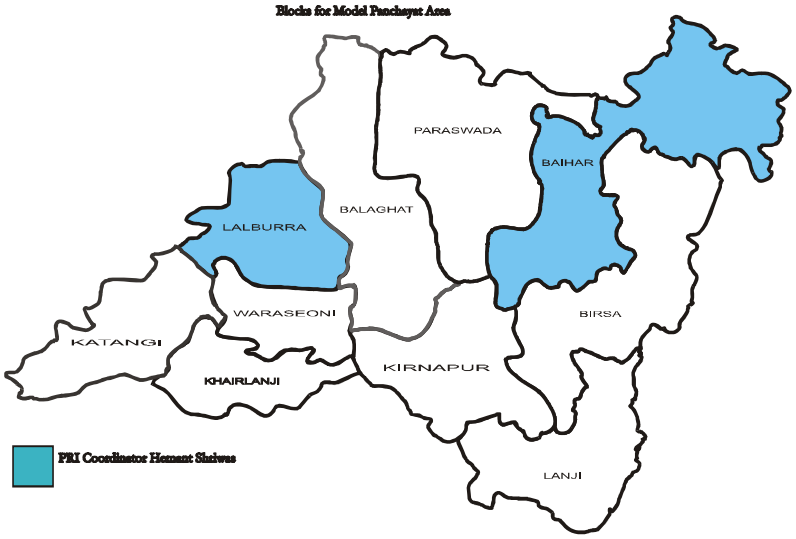

बालाघाट जिले के बैहर और लालबर्रा विकासखंड में अंतिम 6 माह में पंचायतों और अन्य समुदाय आधारित संगठनों के साथ कार्य के प्रयास किये गये।

विकासखंड समन्वयक : हेमंत श्रीवास

पंचायत समन्वयक द्वारा संपादित गतिविधियॉ लालबर्रा और बैहर विकासखंड

वार्ड सभा बैहर	लालबर्रा वार्ड सभा
मेडकी, कोपरो, बैगाटोला, जत्ता, बरवाही, मोहारा, करवाही	टेकाडी, चिचगांव, नवेगॉव,साल्हे रानीकुठार, रमपुरी बकोडा कंजई खैरगोदी परसाटोला, मरेरा
वार्ड सभा	पंचायत बैठक
18 बैहर, – 07 लालबर्रा – 11	चिचगॉव, भण्डेरी, टेकाडी, करवाही,

प्रक्रिया	प्रभाव
• गॉव के टोलो मंजरो जो ग्राम से दूरी पर वहॉ वार्ड की पहचान की जाती है। • आंगनबाडी कार्यकर्ता के माध्यम से वार्ड के पंच का नाम व उस वार्ड में कुपोषण की वास्तविक स्थिति व गर्भवति, धात्री महिला के नाम को चिन्हित करना । • वार्डसभा में जाकर वार्ड पंच को स्वास्थ्य व पोषण के मुद्दे समझाना व वार्ड की वास्तविक स्थिति के माध्यम से बैठक का आयोजन करना । • स्थानीय मुद्दे – जैसे स्वच्छता, रोजगार, गांरटी योजना, या अन्य योजना के साथ पोषण व स्वास्थ्य के मुद्दे शामिल कर उन्हें जानकारी देना । • पंच द्वारा इस मुद्दे को ग्रामसभा व पंचायत बैठक में शामिल करवाना । • समूह की महिलाओं को शामिल कर उन्हें पोषण व स्वास्थ्य विषय में सशक्त करना ।	• ग्राम चिचगांव (लालबर्रा) में पंचायत पंचो व सरपंच के माध्यम से स्वास्थ कार्यकर्ता व आगनबाडी कार्यकर्ता. का माह में पोषण दिवस के अलावा प्रथम, द्वितिय गुरूवार ग्रहभेट व स्वास्थ्य जॉच निश्चित कि गई । • बैगाटोला व कोपरो (बैहर) में पंचो के माध्यम से ग्रहभेट सुनिश्चित हुई । • टेकाडी, धरावासी बहियाटिकुर में पोषण दिवस के दौरान पंच व सरपंच का निरीक्षण सुनिश्चित हुई । • बैहर (भण्डेरी, मोहारा, करवाही) में आगनबाडी कार्यकर्ता को पंचायत बैठक में बुलवाकर कुपोषण की समीक्षा की जा रही हैं एवं स्व सहायता समूह की महिलाऍ भी इस विषय मे सामने आकर बात कर रही हैं । • कोपरो कंजई के समूह की महिलाऍ आगनबाडी. में जाकर टिकाकरण के दिन इसकी नियमित समीक्षा व जानकारी लेने का प्रयास कर रही हैं । • टेकाड़ी धारावासी बैगाटोला भण्डेरी, गोहारा, पिपरिया, चिचगॉव, रानीकुहार में ए.एन.एम. का ग्रहभेट, करना सुनिश्चित करना ।

भ्रमण के अनुभव

- पोषण स्वास्थ्य दिवस सभी केन्द्रो पर रहा हैं हैं जिसमे नियमित टीकाकरण/पेट की जॉच हो रही हैं । परन्तु मांग पत्र व स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा शिक्षा सत्र सिर्फ 14 केन्द्रो में हो रहा हैं
- कुपोषण शिशु मृत्यु दर को कम करने में काफी सफलता मिली है। परन्तु पोषण स्वास्थ्य के दौरान नियमित परामर्श के माध्यम से कमी लाई जा सकती हैं ।
- आगनबाडी भ्रमण के माध्यम से कार्यकार्त को जानकारी काफी है। पर वह उसका उपयोग नही करती ।

- ग्रहभेट में अन्य स्थिति में सुधार आया हैं परन्तु ग्रहभेट में अन्य लोगों को शामिल करने में कमी है। जिसमें संस्थागत प्रसव में बढोत्तरी हुई हैं ।
- कार्यकर्ता द्वारा रजिस्टर काफी जगह उचित संधारण किया गया हैं ।

- कही–कहीं पर पंचायत के निगरानी से पोषण एंव स्वास्थ्य की सेवाओ में सुधार आया हैं ।
- माता सहयोगनी समिति व परिवर्तन कर्ता को नियमित रूप से अपने कार्य में शामिल किया गया हैं ।
- आगनबाडी. द्वारा अन्य समितियों के साथ काम करने में सहयोग की कमी देखी गई जसमें गॉव में आगनबाडी. को उचित सेवाएँ व उद्देश्य की जानकारी का लोगो में अभाव देखा गया।

व्यवहार परिवर्तन :

- लोगो में व्यवहार परिवर्तन आया हैं जिसमें तुरन्त स्तनपान को लेकर हितग्राही में सुधार देखा गया ।
- लालबर्रा ब्लाक के विभागीय आकडे के अनुसार संस्थागत प्रसव 70से 75 प्रतिशत लगभग होने के कारण शिशु मृत्यु में कुछ अंश परिवर्तन देखने को मिलता हैं ।
- हितग्राही द्वारा 6 माह बाद पोषण आहार में मात्रा व गुणवत्ता में सुधार देखने को मिलता हैं ।
- गॉवो में गर्भवती महिला की देखभाल अतिरिक्त भोजन व आहार में कोई विशेष परिवर्तन नही हैं ।

जनपद बैठक	
मुद्दे	अपेक्षित परिणाम
• टिकाकरण दिवस में पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति के साथ आगनबाड़ी में होने वाले कार्यक्रम में नियमित समीक्षा हो । • आगनबाडी कार्यकर्ता व स्वास्थ्य कार्यकर्ता का ग्रहभेट पंचायत द्वारा सुनिश्चित हो । • ग्राम स्वास्थ्य समिति को पंचायत बैठक में बुलाकर कार्ययोजना बनाना । • कुपोषण कि नियमित समीक्षा व पंचायत द्वारा निगरानी व सहयोग बनाये रखना । • मॉडल पंचायत बनाने के उद्देश्य व पंचायत की भागीदारी व जिम्मेदारी ।	• चिंचगॉव, साल्हें, टेकाड़ी, रानीकुढार, रमपुरी में ग्रम स्वास्थ्य समिति की नियमित बैठक हो रही हैं । • पंचायत ने ब्लाक में मुख्यकार्यपालन अधिकारी जनपद के माध्यम से ग्राम स्वास्थ्य समिति गठन जल्द होने के निर्देश दिए । • पंचायत ने बैहर व लालबर्रा में कुछ पंचायतो में कुपोषण व आगनबाडी.में जाना सुनिश्चित किया हैं । • ब्लाक के कुछ पंचायतो में वार्ड सभाएँ हो रही हैं जिसमें आगनबाडी कार्यकार्ता को बुलवाकर नियमित कुपोषण व सेवाएँ पर चर्चा की जा रही हैं ।

PRI INVOLVEMENT AT SECTOR LEVEL EVENTS

केयर सहयोग		
	खण्ड स्तरीय बैठक	सेक्टर मिटिंग
विभागीय स्तर पर केयर के माध्यम से खण्ड स्तरीय बैठक, सचिव मिटिंग में केन्द्र भ्रमण के दौरान समीक्षा करना इसमें केन्द्र भ्रमण प्रपत्र के आधार पर सभी बैठको मे समिक्षा व परियोजना अधिकारी /मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी को भ्रमण के आधार पर उन्हें केन्द्र की वास्तविकता स्थिति से अवगत करवाया गया।	खण्ड स्तरीय बैठक में चूँकि दोनो का सहयोग न मिलने के कारण कार्य में गति नही थी परन्तु केयर के माध्यम से दोनो विभागों (आगनबाडी/स्वास्थ्य) में समन्वयता बनाई गई जिसमें दोनो विभाग बैठक में जाकर नियमित रूप से कुपोषण मातृ मृत्यु दर शिशु दर की नियमित समीक्षा की जा रही हैं।	सेक्टर मिटिग में केयर का सहयोग रहा जिसमें सभी कार्यकर्ता (आगनबाडी /स्वास्थ्य) दोनो विभागो के सेक्टर अलग होने के कारण टिकाकरण व अन्य कार्यो को सही ढंग से हो रहा था केयर द्वारा सेक्टर एकीकरण को जोडा गया जिसमें टीकाकरण में वृद्धि हुई जो लगभग 75–80 प्रतिशत उपलब्धी रही तथा संयुक्त बैठको में नियमितिकरण होने से समीक्षा होने लगी हैं ।

दस्तावेजीकरण रिपोर्ट (परियोजना दस्तावेजीकरण) :–

दिनांक 08.09.08 को केयर के माध्यम से पिछले आई.एन.एच.पी. द्वितीय से लेकर आई.एन.एच.पी.तृतीय को लेकर दस्तावेजीकरण किया गया, जिसमें मुख्य रूप से क्या प्रयास एवं गतिविधि व प्रशासनिक स्तर पर एवं ग्राम स्तर पर किये कार्यो का अवलोकन किया गया ।

इसको लेकर टेकाडी लालबर्रा में युनिट हुई जिसमें आगनबाडी की साज सज्जा व आगनबाडी में बनाई गई दल नेता व परिवर्तन कर्ता से इस विषय की सम्पूर्ण जानकारी जिसमें दलवार परिवर्तकर्ता का कार्य और भी अन्य जानकारी ली गई उसके पश्चात स्थानीय वार्ड पंच से आगनबाडी मे किस तरह की पंचायत मद्द करती हैं व उनकी क्या जिम्मेदारी हैं वह आगनबाडी में आकर क्या करती हैं उस पर बातचीत की गई तत्पश्चात वहॉ उपस्थित हितग्राही से चर्चा की गई जिसमें उनसे स्तनपान उपरी आहार की जानकारी ली गई

इस भ्रमण मे मुख्य बाते रही कि आई.एन.एच.पी के माध्यम से जो पहले चलाई गई प्रयास हैं वह किस तरह से निरन्तर है। व हितग्राही व पंचायत कि सहभागिता किस प्रकार से आगनबाडी में हैं वह कैसे आगे नियमित रहेगी इसकी जानकारी चिचगॉव, सरपंच के माध्यम से दी गई ।

अन्य संस्था एवं परियोजना के साथ समन्वय

- लालबर्रा विकास खण्ड में चौपाल प्रोजेक्ट के माध्यम से पोषण व स्वास्थ्य विषय को स्वच्छता के साथ जोडते हुए साथ मिलकर कार्य किया गया । यह परियोजना पूर्ण रूप से स्वच्छता के लेकर कार्य कर रही हैं ।
- स्कूल शिक्षा में बच्चो को स्वच्छता व साफ सफाई को लेकर कार्यक्रम किए गए जिसमें उनके साथ पेंटिंग, ड्राइंग के माध्यम से उन्हें समझाया गया कि अगर आप अपना वातातरण स्वच्छ रखेगें तो बिमारी होने की संभावना नही होगी जिससे कुपोषण कि संभावना भी कम होगी । ग्राम स्वास्थ समिति के साथ मिलकर काम किया गया जिसमें बैठक व सदस्य कि जिम्मेदारी को समझाया गया ।
- चौपाल परियोजना के माध्यम से सामाजिक मानचित्र बनाए गए नवेगॉव, व टेकाडी में जिसमें गॉव के लोगों के नक्से बनवाकर गंदगी व स्वच्छता खराब होने की जगह की पहचान कि गई और कार्ययोजना बनाई गई ।
- अन्य समिति जैसे जल स्वच्छता समिति पालन शिक्षक संघ, रोजगार गांरटी निगरानी समिति, के साथ चौपाल परियोजना के माध्यम से लोगो के अजिविका को लेकर प्रयास किया गया ।

महिला सशक्तिकरण परियोजना के साथ समन्वय

- बैहर में मुख्य रूप से पैक्स कार्यक्रम के माध्यम से बनाई गई स्व सहायता समूह की महिलाओं को पोषण व स्वास्थ्य विषय में संवेदनशील करने की कोशिश की गई।
- बनाई गई महिला निगरानी समिति, के साथ मिलकर आगनबाडी व इस विषय की समझ बढाई गई ।
- भविष्य में यह परियोजना इस गतिविधि को नियमिंत रखे इसकी अपेक्षा हैं ।

चुनौतियॉ

पंचायत के साथ कार्य करने में मुख्य रूप से हमारे सामने चुनौतियॉ रहीं ।

- पंचायत प्रतिनिधियों का रूझान इस मुद्दे को लेकर कम थी ।
- विभाग के लोग पूर्ण रूप से समर्पण के साथ काम नही करते हैं । (स्वास्थ्य कार्यकर्ता व आगनबाडी कार्यकर्ता)
- कुछ मौसम के कारण परेशानियॉ रही जिसमें पहुचविहिन क्षेत्र में परीक्षण न होना ।
- लोगो का काम में जाने के कारण उनसे चर्चा करने का वक्त नही मिल पाता जिसके कारण एन.जी.ओ. की रूची में भी कमी आ जाती हैं ।
- कुछ असामाजिक तत्वों के कारण कार्य में बाधा उत्पन्न करना चेलेंज रहा ।
- ग्राम स्वास्थ्य समिति के सदस्य के बैठक में उपस्थिति न होना ।
- विभाग के पास स्टाफ की कमी ।

PRI CLUSTER AREA(LALBURRA,BAIHAR)

Particulars	LALBURRA		BAIHAR	
Total Villages	27		31	
Total VHC	Total 22	Active 14	Total 26	Active 12
Total AWC	27		34	
Malnutrition status	Pre data- Lalburra	Pre Data -Baihar	Post data - Lalburra	Post data -Baihar
Total child	1816	1350	1858	1418
General Grade	1041	615	1086	698
I- Grade	555	408	603	535
II- Grade	200	273	142	159
III- Grade	17	25	23	20
IV- Grade	02	05	04	06
Percentage	57.32%	45.55%	58.44%	49.22%
Grading Status	A B C 14 09 04		A B C 10 14 07	

Sector (Lalburra)	Manpur	Lalburra	Newargaon	Katanghhari	Mohgaon	Khamaria	Jaam
Total AWC	23	30	25	28	30	30	21
Activities							
Thematic Sessions	26	19	17	19	21	18	16
Panchayat involvement	10	20	9	12	13	13	08
Record	15	1	16	17	19	22	14
IEC Display	13	19	15	13	12	16	11
Grading of AWC	A B C 10 8 5	A B C 16 09 05	A B C 12 08 5	A B C 08 12 08	A B C 08 15 07	A B C 11 10 09	A B C 05 10 06
Use of tools by ICDS	NO	YES	NO	YES	YES	YES	NO
Active MSS	13	16	11	12	13	10	11
Active ASHA	16	19	15	17	15	12	13
Innovation	05	07	04	08	06	09	04
Excluded Pockets		Chikhlabaddi					
Sector Meeting	sector meeting	joint sector meeting	sector meeting	joint sector meeting	joint sector meeting	joint sector meeting	sector meeting
Uses of demand letter	08	06	07	11	10	11	05

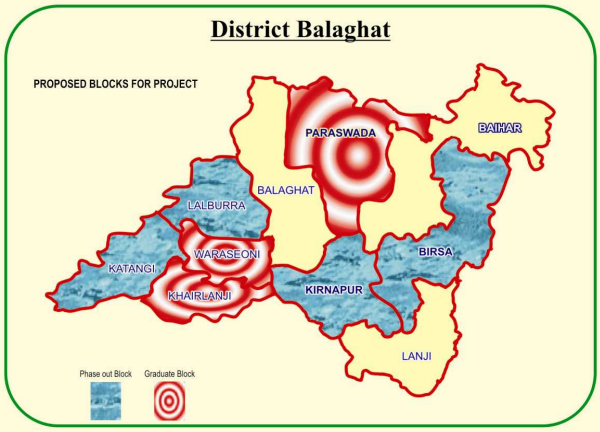

Situated in the South East part of the state, The district Balaghat is endowed with rich natural resources, like forest and mineral resources. In spite of its rich resource base 68 percent of the rural populations live below poverty line out of total of 90 percent of rural population in the district. The District comprises 6 tehsils and 10 Blocks with 1269 inhabited villages. These villages come under 693 Gram Panchayats. As per the 1991 Census, the total population of the district is 14,97,968 out of which 13,03,996 is rural population and 01,93,972 is urban.

INHP III Programs in district of Balaghat:

Blocks	Old Active AWC's	New AWC's added	New Active AWC as of Sept 07	New Active AWC as of Sept 08	Sectors	Gram Panchayat	No. of Villages
Balaghat	148	1	149	167	6 **(7)**	77	159
Baihar	190	28	218	243	6 **(9)**	56	140
Waraseoni	135	13	148	181	6 **(7)**	60	75
Paraswada	181	2	183	210	8 **(8)**	57	160
Lanji	160	1	161	188	7 **(7)**	78	131
Lalbarra	147	2	149	187	7 **(7)**	77	75
Kirnapur	152	4	156	179	7 **(7)**	83	134
Khairlanji	133	2	135	147	6 **(6)**	62	81
Katangi	165	8	173	190	7 **(8)**	81	77
Birsa	263	18	281	297	10 **(12)**	62	158
Total	**1674**	**79**	**1753**	**1989**	**70 (78)**	**693**	**1269**

Tribal Blocks: 3, Baihar, Paraswada, Birsa
Rural Blocks: Waraseoni, Lanji,Lalburra,Kirnapur,Khairlanji,Katangi
Urban Blocks: Balaghat